

भक्तों के बीच पहुंचे भगवान

ऐतिहासिक रथ यात्रा

- प्रभु जगन्नाथ को स्थावरुद्ध कर श्रद्धालुओं ने पहुंचाया मौसीबाड़ी
- 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष से गुंज उठा मेला परिसर
- 29 जून को घुंटी रथ यात्रा, भगवान लौटेंगे अपने धाम
- तबतक मौसीबाड़ी में होगी प्रभु की पूजा-अर्चना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भक्तों के बीच भगवान यानि पतित पावन के रूप में जन साधारण को दर्शन देने के लिए भगवान श्री जगन्नाथ जैसे ही अपने भाई-बहन के साथ रथ पर सवार हुए, रांची जगन्नाथमय हो गयी। बूंदबांटी से सुहाना हुए मौसम के बीच विग्रहों के

दर्शन के लिए पलक पावड़े बिछाये श्रद्धालुओं की आंखें खुशी से नम हो गयी। सिर नवाकर और दोनों हाथ ऊपर उठाकर हजारों भक्तों ने प्रभु के दरबार में अपनी हाजिरी लगायी। चारों तरफ भक्ति और खुशियां एक साथ मचल रही थीं। हर कोई अपनी-अपनी भावनाओं में मग्न था।

जगन्नाथपुर मेला परिसर में भगवत कृपा का अनुभूता संगम था। राज्यपाल सोपी राधाकृष्णन और सीएम हेमंत सोरेन ने रथ खींच कर भगवान का आशीर्वाद लिया। अमीर-गरीब और छोटे-बड़े के सारे भेद मिट गये थे। सिर्फ भक्ति थी जो मंदिर की तरफ चली जा रही थी। हर कदम भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए चला जा रहा था। न थकन थी और न ही उदासी, बस भक्ति के तमाम रूप दिख रहे थे। रथ यात्रा से

राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने की सुख-समृद्धि की कामना

जगन्नाथपुर की ऐतिहासिक रथ यात्रा में राज्यपाल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए और श्रद्धालुओं को रथ यात्रा की बधाई, शुभकामनाएं दीं। दोनों ने भगवान जगन्नाथ से राज्यवासियों को स्वस्थ, सुख और समृद्ध रत्नों की कामना की। राजधानी रांची समेत राज्यभर में मंगलवार को रथ मेला की धूम रही। हर जगह उत्सव जेठा माहल रहा। इस गांठ पर डीसी, एसएसपी सहित कई पुलिस पदाधिकारी और जवानों के अलावा जिला प्रशासन के लोग भी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद दिखे।

पहले भक्तों ने भगवान के एक हजार नामों का जाप किया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। लक्ष्यार्चना के बाद शाम 5.05 बजे रथ मौसीबाड़ी के लिए रवाना हुआ।

(शेष पेज 11 पर)



फोटो : समीर

न्यूज डायरी

विपक्षी दलों की बैठक में हेमंत शामिल होंगे

रांची। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दल गोलबंद होकर पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में 23 जून को बैठक कर रहे हैं। सीएम हेमंत सोरेन विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होंगे और झामुमो की ओर से सुझाव देंगे।

रथ यात्रा के दौरान गिरा छज्जा, एक की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में अहमदाबाद के दरियापुर में रथ यात्रा के रूट पर अचानक मकान की छत नीचे खड़े लोगों पर गिर गयी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी। आठ लोग घायल हो गये।

बालासोर रेल हादसा सिग्नल जेड लापाटा

बालासोर। ओडिशा रेल हादसे की जांच के दौरान सोरो सेक्शन सिग्नल के जूनियर इंजीनियर (जेई) आभिर खान अपने परिवार सहित 'मिसिंग', यानी गायब हैं।

बाढ़ना आभूषण

खोना (विकी) : 55,800 ₹/10 ग्राम
चंदी : 74,000 ₹/प्रति किग्रा

कारोबारी विष्णु अग्रवाल से आज इडी करेगी पूछताछ

जेल अधीक्षक, वकील हिमांशु को समन जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची में जमीन घोटाले में मनी लाउंड्रिंग के तहत प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने न्यूक्लियस मॉल के संचालक विष्णु अग्रवाल से बुधवार को पूछताछ करेगी। वहीं बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के अधीक्षक हामिद अख्तर को एक बार फिर से इडी ने समन जारी कर 26 को पूछताछ के लिए अपने दफ्तर में बुलाया है। इडी ने अधिवक्ता हिमांशु मेहता को भी पूछताछ के लिए 28 जून को उपस्थित होने का समन जारी किया है।

बीमारी के कारण नहीं हो सकी थी पूछताछ : इससे पहले कारोबारी विष्णु अग्रवाल को आठ मई को इडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। वे इडी कार्यालय गये भी थे, लेकिन बीमारी की वजह से उन्होंने समय की

26 को हामिद से पूछताछ का समन

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के अधीक्षक हामिद अख्तर को एक बार फिर से इडी ने समन जारी कर 26 जून को पूछताछ के लिए एयरपोर्ट रोड स्थित इडी कार्यालय में उपस्थित होने का समन जारी किया है। अधिवक्ता हिमांशु मेहता को भी पूछताछ के लिए 28 जून को उपस्थित होने का समन जारी किया है। गौरतलब हो कि इससे पूर्व दो बार फरवरी और मार्च में इडी ने जेल अधीक्षक को समन जारी कर पूछताछ के लिए इडी कार्यालय बुलाया था लेकिन इडी के अधिकार को चुनौती देते हुए झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की बात कहकर वह इडी के सामने पेश नहीं हुए थे।

मांग की थी। उन्हें अब फिर बुधवार को इडी ने बुलाया है। इडी उनसे रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन और प्रेम प्रकाश से रिश्ते, विवादित जमीनों की खरीद-बिक्री मामले के अलावा फर्जीवाड़ा करने में सहयोग करने वालों के बारे में जानकारी लेगी।

जेल का सीसीटीवी फुटेज नहीं देने का मामला : इडी 1000 करोड़ के अवैध खनन

घोटाले और मनी लाँड्रिंग मामले में जेल में बंद कई आरोपियों के जेल मैनुएल के उल्लंघन को लेकर जेल अधीक्षक से सीसीटीवी फुटेज मांग रही है। उन्होंने इडी के अधिकार क्षेत्र को चुनौती देते हुए इडी कोर्ट में मामला दायर किया था, बाद में इडी कोर्ट ने जेल अधीक्षक को सीसीटीवी फुटेज सौंपने को कहा था। (शेष पेज 11 पर)

पहली बारिश में ही ठनका से दर्जन भर लोगों की गयी जान

झामाझम बारिश से मौसम बदला, तीन दिन वज्रपात की आशंका

हजारीबाग में दो, लोहरदगा में तीन, केरेडारी और मेसरा में एक-एक की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मंगलवार को दोपहर बाद राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में तेज बारिश हुई। बारिश के साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। बदले मौसम के बाद पलामू को छोड़कर राज्य के सभी जिलों में तापमान 40 डिग्री से नीचे आ गया है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य के कई इलाकों में वज्रपात की आशंका जतायी है। मंगलवार को हुई पहली ही तेज बारिश और आंधी के बीच वज्रपात की घटना में राज्यभर में दर्जन भर लोगों की मौत हो गयी। इनमें हजारीबाग में दो, केरेडारी में एक, लोहरदगा में तीन, मेसरा में एक की मौत की खबर है। (शेष पेज 11 पर)



हजारीबाग दर्जन भर झुलसे

हजारीबाग के सिलवास पहाड़ स्थित जगन्नाथ धाम मंदिर परिसर में रथयात्रा के दौरान वज्रपात से दो श्रद्धालु की मौत हो गयी, वहीं एक दर्जन श्रद्धालु घायल हो गये। इस हादसे में सुधांशु पांडे और अरुण कुमार गुप्ता (16) की मौत हो गयी। वहीं, केरेडारी के बुद्दु में वज्रपात की चपेट में आने से 10 वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गयी। सभी घायलों को शेख मिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सदर एसडीओ विद्याभूषण कुमार ने कहा कि सभी घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है।

बड़े मिशन पर पीएम यूएस पहुंचे, डिफेंस डील संभव

आज यूएनओ मुख्यालय में योग का नेतृत्व करेंगे मोदी



एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी एक बड़े मिशन पर मंगलवार को अमेरिका रवाना हो गये। इस यात्रा के दौरान भारत-यूएस में कई बड़ी डिफेंस डील की संभावना है। दुनियाभर की नजर इस दौर पर है। खासकर पांच ऐसे रक्षा सौदे हो सकते हैं जिनसे चीन और पाकिस्तान की नॉड उड़ने वाली है।

अमेरिका ने एम-77 लाइट हॉवित्जर तोप को अपग्रेड करने की पेशकश की है। अपग्रेड करने से इसकी रेंज बढ़ जायेगी। 155 एमएम की ये हल्की तोप पहाड़ी इलाके के युद्ध में काफी कारगर है। इसकी मिनिमम रेंज 30 किमी है जबकि इसमें 40 किमी तक मार करने की क्षमता है। वहीं, चीन से अपना एलएसी पर विवाद चल रहा है। चीन अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहा है। इस डिफेंस डील से भारत की मारक क्षमता काफी बढ़ जायेगी। आज यूएनओ मुख्यालय में योग समारोह का नेतृत्व : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे।

प्रवासी भारतीयों से भी मिलेंगे पीएम मोदी

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रतिनिधि सभा के माननीय अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी और सीनेट के माननीय अध्यक्ष चार्ल्स शुमर सहित कांग्रेस के नेताओं के निमंत्रण पर, प्रधानमंत्री 22 जून को अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। 23 जून को, अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और विदेश मंत्री एंटी ब्लिंकन संयुक्त रूप से पीएम मोदी के लिए लंच की मेजबानी करेंगे। इसके अलावा, वह प्रमुख सीईओ, पेशेवरों और अन्य हितधारकों के साथ कई व्यूरेटेड बातचीत करने वाले हैं।

पीएम मोदी ने यात्रा पर जाने से पहले अपने ट्वीट में लिखा है 'न्यूयॉर्क शहर और वाशिंगटन डीसी में कार्यक्रमों में भाग लूंगा। इन कार्यक्रमों में योग दिवस समारोह शामिल है। उन्होंने सभी देशवासियों को जगन्नाथ यात्रा की बधाई भी दी। 21 जून को पीएम मोदी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। (शेष पेज 11 पर)

नवम् अंतर राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक : 21 जून, 2023

स्थान : मेकॉन स्टेडियम समय: सुबह 5 बजे से

वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग // हर आँगन योग

योग से रोग भगायेंगे, झारखण्ड को स्वस्थ बनायेंगे

www.ayush.jharkhand.gov.in

स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार
(आयुष निदेशालय)

हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड सरकार



प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में खाली पड़े शिक्षकों के पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू

नियुक्त होंगे 26001 सहायक आचार्य

सहायक आचार्यों की नियुक्ति के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जेएसएससी को भेजी अधियाचना

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। राज्य की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के कवायद शुरू कर दी गयी है। सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश के राज्य के प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में खाली पड़े शिक्षकों के पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। पहले फेज में राज्य के स्कूलों में 26०01 सहायक आचार्यों की नियुक्ति की जा रही है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने सहायक आचार्यों की



नियुक्ति के लिए जेएसएससी को अधियाचना भेज दी है। अधियाचना में कहा गया है कि राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में सहायक आचार्य संवर्ग में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाये। विद्यालयों में कुल 26001 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति होगी। शिक्षा विभाग द्वारा भेजे गये प्रस्ताव में कहा गया है कि नियुक्ति की कार्यवाही झारखंड प्रारंभिक विद्यालय सहायक आचार्य संवर्ग नियुक्ति

पारा शिक्षक संविदा कर्मियों के लिए 12869 पद

शिक्षा विभाग की ओर से जेएसएससी को भेजी गयी अधियाचना के अनुसार 26001 पद में से 12869 पद झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के अंतर्गत कार्यरत पारा शिक्षक संविदा कर्मियों के लिए आरक्षित है। वहीं, 1३132 पद गैर पारा अभ्यर्थियों के लिए है। प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा एक से पांच तक के लिए 11000 और मध्य विद्यालय में कक्षा छह से आठ तक के लिए 15001 शिक्षकों की नियुक्ति होगी।

सृजित किये गये 50 हजार पद

राज्य के प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में सहायक आचार्य के 50 हजार पद सृजित है। प्रथम चरण में 26001 शिक्षकों की नियुक्ति की जायेगी। इसके बाद शेष पदों पर नियुक्ति होगी। दूसरे चरण की नियुक्ति के पूर्व झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा लेने की तैयारी है। पात्रता परीक्षा के बाद दूसरे चरण की नियुक्ति होगी।

प्रोन्नति नियमावली के तहत होगी। बताते चलें कि सात वर्षों के बाद एक बार फिर शिक्षक नियुक्ति

प्रक्रिया शुरू की गयी है। इसे लेकर कार्मिक विभाग ने जेएसएससी को अधियाचना भेजी दी है।

भूमि घोटाला : अफसर निकला जालसाज फर्जी कागजात तैयार करने में था माहिर

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। रांची भूमि घोटाले में गिरफ्तार रांची के पूर्व उपायुक्त निरलंबित आइएएस अधिकारी छवि रंजन का खास सहयोगी अफसर अली उर्फ अप्सू खान बड़ा जालसाज है। वही ईडी की पूछताछ में उससे यह बात स्वीकार कर ली है कि जमीन के फर्जी कागजात बनाने का वह एक्सपर्ट है। उसने रांची के बरियार्तू में स्थित सेना के उपयोग वाली 4.83 एकड़ जमीन के कागजात में फर्जीवाड़ा कर प्रदीप बागची को जमीन मालिक बना दिया था। बताते चलें कि बरियार्तू में मिल्लत कॉलोनी में रहने वाला अफसर रिम्स में रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत था।

प्रतिबंधित जमीन को भी मुक्त कराया : इडी की पूछताछ में उसने रांची के अलग-अलग मौजा की 143.46 एकड़ जमीन को फर्जी

143.46 एकड़ जमीन के फर्जी कागजात : अफसर अली खान ने स्वीकार किया है कि वर्ष 201३-१४ से वह जमीन के धंधे में जुट गया था। उसके बाद से उसने अपने सहयोगी राजेश राय, विपिन सिंह, प्रियरजन सहाय, भरत प्रसाद, इम्तियाज अहमद, लखन सिंह व अन्य की मदद से जालसाजी की। उसके टिकाने से ईडी को जमीन से संबंधित 27 दस्तावेज मिले थे। सभी दस्तावेज फर्जी तरीके से तैयार किए गए थे, जो करीब 143.46 एकड़ जमीन से संबंधित थे।

ईडी ने दाखिल की थी चार्जशीट : अफसर अली के कहने पर ही तल्हा खान ने अगस्त 20२2 से दिसंबर 2022 के बीच अपनी कंपनी एकटुआर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के खाते में 54 लाख रुपये हस्तांतरित किए थे। ईडी ने भूमि घोटाले में ईडी की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। आरोपितों में दिलीप कुमार घोष, अमित अग्रवाल, छवि रंजन, प्रदीप बागची, अफसर अली उर्फ अफसू खान, मोहम्मद सद्दाम हुसैन, इम्तियाज अहमद, तल्हा खान, फैयाज अहमद, भानु प्रताप प्रसाद, मेसर्स राजेश आटो मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड, व मेसर्स अरोड़ा स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

डीड तैयार करने की बात स्वीकारी है। ये सभी जमीन रांची के गाड़ो मौजा, बैटा, बोड़ेया, बूटी, कोकर, बड़गाई, नेवरी, संग्रामपुर, रांची, बरियार्तू व दुबलिया मौजा में है। ईडी ने भूमि घोटाले में दाखिल चार्जशीट में इसका खुलासा किया

पटना में 23 जून को होगा विपक्षी पार्टी का महाजुटान, सीएम हेमंत रहेंगे मौजूद

नेता के मुद्दे पर उलझन होगी दूर : सुप्रियो



खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। पटना में 2३ जून को विपक्षी पार्टी के महाजुटान में सीएम हेमंत सोरेन जेएमएम की ओर शामिल होंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा पांच बिंदुओं पर विचार प्रस्तुत किया जाएगा। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी सहित बीजेपी विरोधी एक दर्जन से अधिक राजनेता शिरकत करेंगे। सीएम हेमंत के बैठक में शामिल होने के पीछे एक ही मकसद है कि चुनावी जंग कैसे

विलजिकल हेमेटोलॉजी विभाग शुरू करने वाला देश का पहला जिला अस्पताल बना रांची सदर हॉस्पिटल

जीने की उम्मीद छोड़ चुके मरीजों के लिए बना वरदान

15 से २0 लाख रुपए खर्च होने वाली बीमारियों का निःशुल्क होगा इलाज

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। रांची का सदर अस्पताल रांची या झारखंड ही नहीं, बल्कि देश का पहला जिला अस्पताल बन गया है, जहां क्लिनिकल हेमेटोलॉजी विभाग की शुरूआत हुई है। इस सेवा के शुरू हो जाने से सदर अस्पताल देश के लिए रोल मॉडल बन कर उभर रहा है। नए भवन में विभाग का संचालन क्रिया जा रहा है और यहां लगातार मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। जैसे मरीज जो पैसे के अभाव में जीने की उम्मीद छोड़ चुके थे, उनका इलाज किया जा रहा है। बताते चलें कि ब्लड कैंसर के इलाज में 15 से 20 लाख रुपए खर्च होता है।

इलाज के लिए हर रोज औपीडी में पहुंचते हैं 50 मरीज

हेमेटोलॉजी विभाग के चिकित्सक डॉ अभिषेक रंजन ने कहा कि औपीडी में हर रोज करीब 5० मरीज परामर्श के लिए पहुंचते हैं। इनमें सीवियर एप्लास्टिक एनीमिया के 8 मरीजों को हॉर्स एटीजी (एंटी थाइमोसाइट ग्लोबुलीन) जिसके इलाज का खर्च 15 से 20 लाख रुपए होता है, पहली बार देश के किसी जिला अस्पताल में यह सेवा शुरू की गई है। झारखंड में इस बीमारी का इलाज करने वाला यह पहला अस्पताल है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, ब्लड कैंसर, लिम्फोमा जैसी गंभीर बीमारी का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है।

लेकिन सदर अस्पताल में यह इलाज निशुल्क हो रहा है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा सफल अभ्यर्थी होंगे शामिल : शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा के सफल अभ्यर्थी शामिल होंगे। राज्य में अब तक दो झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा हुई है।प्रथम परीक्षा वर्ष 2013 में व दूसरी परीक्षा वर्ष 2०16 में हुई थी। दोनों से लगभग एक लाख अभ्यर्थी हैं। इनकी नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलेगा।जेएसएससी को भेजा गया आरक्षण रोस्टर : विभाग द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करनेको लेकर आरक्षण रोस्टर भी जेएसएससी को भेजा गया है।अगले माह जेएसएससी द्वारा नियुक्ति को लेकर विज्ञापन जारी किये जाने की संभावना है।राज्य में सात वर्ष बाद प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो रही है।

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। महाजनसंपर्क अभियान को गति प्रदान करने के लिए भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी मंगलवार को रांची पहुंचे। उन्होंने विशिष्ट जनों से मुलाकात कर मोदी सरकार की ९ वर्ष की उपलब्धियों से अवगत कराते हुए तीसरी बार मोदी सरकार के लिए समर्थन मांगा।

डॉ वाजपेयी ने रांची महानगर के हातमा बस्ती निवासी पाहन जगलाल उरांव, पुरानी रांची में अवकाश प्राप्त पुलिस उपाधीक्षक अनुल करकेट्टा, हिंदपीढ़ी में पूर्व चेंबर अध्यक्ष अरुण बुधिया तथा गंगा नगर में व्यवसायी अमीर राय से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सर्व

अमित अग्रवाल ने प्रदीप बागची को मुंह खोलने से किया था मना

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। कोलकाता के कारोबारी और वर्तमान में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद अमित अग्रवाल ने प्रदीप बागची को इडी ऑफिस में मुंह खोलने से मना किया था। इस बात का खुलासा प्रदीप बागची ने इडी की पूछताछ में की है।इतना ही नहीं जांच में यह बात भी सामने आयी है कि सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री की जांच के दौरान जब इडी ने प्रदीप बागची को समन कर पूछताछ के लिए बुलाया था, तब अमित अग्रवाल ने उसे इडी के पास जाने से मना भी किया था।

पूछताछ में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि जब छवि रंजन रांची डीसी थे तो उनका कार्यकाल भी माफियाओं के लिए काफी फायदेमंद रहा था। सेना के कब्जे वाली भूमि हो, बजरा मौजा की भूमि हो या फिर चेसायर होम रोड की



स्पर्शी, सर्व व्यापी विकास केलिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। देश के दलित, आदिवासी, वंचित समाज विकास की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 9 वर्षों में भारत का सांस्कृतिक गौरव लौटा है। आज दुनिया उम्मीदों के साथ भारत की ओर देखती है। विश्व में तिरंगे की ताकत को लोग महसूस कर रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। डॉ वाजपेयी के साथ सांसद समीर उरांव, महानगर

अध्यक्ष केके गुप्ता, राकेश भास्कर, वरुण साहू, बलराम सिंह उपस्थित थे।

वाजपेई पहुंचे रथयात्रा मेला :संपर्क से समर्थन अभियान कार्यक्रम के बाद श्री वाजपेई झारखंड के सांस्कृतिक गौरव को प्रतीक जगन्नाथपुर मेला पहुंचकर भगवान के रथ पर सवार विग्रह का दर्शन किया एवं रथ भी खींचा। उन्होंने समस्त झारखंड वासियों के कल्याण की मंगल कामना करते हुए कहा कि झारखंड की संस्कृति यहां की धरोहर है।

पंचायत की योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से करायें : सुनिल कुमार

रांची। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के सचिव सुनिल कुमार रांची में पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के साथ उन्होंने समीक्षा बैठक की। केंद्रीय सचिव ने त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के कार्यों की जानकारी ली। 15वें वित्त आयोग से मिलने वाली राशि और उसके उपयोग पर जानकारी हासिल की गयी। यह बात सामने आयी कि अधिकार जिलों की पंचायतों में वित्त आयोग की राशि खर्च नहीं हो पा रही है। ऐसे में अगली किस्त की राशि का भुगतान करने में दिक्कत होगी। केंद्रीय सचिव ने झारखंड के अधिकारियों को पंचायत की योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से करने का भी निर्देश दिया। वित्त आयोग के पैसे का इस्तेमाल वैसी जगह पर करने को कहा जिसका लाभ लाभुकों को सीधा मिले और वह स्थायी हो। पहले सत्र में सचिव राजीव अरूण एक्का व दूसरे सत्र में निदेशक निशा उरांव मौजूद रहीं।

कौशल विकास प्रशिक्षण पाने वाले अभ्यर्थियों मिला सौ फीसदी प्लेसमेंट



खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। सीएसआर के तहत सीएमपीडीआई के गौरवशाली पहल से सीआईपीईटी,रांची में मशीन ऑपरेटर के रूप में छमाही कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी 80 अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार प्राप्त हुआ है। सीएमपीडीआई निदेशक शंकर नागाचारी ने अभ्यर्थियों को कोर्स पूरा करने का प्रमाण-पत्र एवं प्रस्ताव पत्र सौंपा और उन्हें बधाई दी। इन लाभुकों को ताकाहाटा प्रिसिजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड-नीमराना-राजस्थान, मारेली मद्रसस ऑटोमोबिल लाइटिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड-पुणे-महाराष्ट्र, बावल-हरियाणा, साणंद-गुजरात और रोटोलान पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड-

पटना-बिहार में रोजगार मिला है। जात हो कि नवम्बर 2०22 में सीएमपीडीआई ने सीएसआर के अंतर्गत 68 लाख रुपए निधि पॉषित करते हुए सेंट्रल इंस्टीच्यूट ऑफ पेट्रोकैमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर फॉर स्किलिंग एंड टेक्निकल सापोर्ट, रांची के साथ झारखंड के 80 वंचित, बेरोजगार, अर्द्ध बेरोजगारों युवा को मशीन ऑपरेटर के क्षेत्र में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करते के लिए ज्ञापन समझौता पर हस्ताक्षर किया था।

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (एचआरडी/सीएसआर) आरके महापात्रा और सीआईपीईटी, सीएसटीएस,रांची के संयुक्त निदेशक और प्रमुख बी बछव के अलावा सीएमपीडीआई और सीआईपीईटी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तो गुरुजी या कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को बनाया जाना चाहिए मगर हम जानते हैं कि हमारी सांगठनिक ताकत उतनी नहीं है इसलिए ऐसी बात करना उचित नहीं होगा। हर दल अपने नेता को आगे रखना चाहता है मगर उलझने के बजाय इसे समाधान करना होगा। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि नेता को लेकर उलझन भी दूर हो जायेगी।

मौका देने का प्रस्ताव देगा। तीसरा प्रस्ताव आवश्यकता पड़ने पर किसी सीट पर चुनावी रणनीति के तहत दोस्ताना संघर्ष का भी नौबत आए तो उसे स्वीकार करना चाहिए।

चुनाव के वक्त तेजी से बदलने वाले सोशल इंजीनियरिंग और स्ट्रेटजी के लिए भी सभी को तैयार रहने

का आरान झामुमो करेगा। इसके अलावा बीजेपी से सीधा मुकाबला हो इसके लिए सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फामूला तैयार करने की मांग करेगा। विपक्षी दल के नेता के मुद्दे पर जेएमएम का मानना है कि चुनाव परिणाम के बाद इसपर निर्णय हो यही बेहतर होगा।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश वरीय नेताओं के साथ कर रहे कैंप

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की गिरिडीह में कल होगी सभा, भाजपा ने झोंकी ताकत



उदय चौहान
रांची। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के झारखंड दौरे को लेकर राजनीतिक संदेश साफ है कि लोकसभा चुनाव समय से पहले हो सकता है। जेपी नड्डा की जनसभा 22 जून को गिरिडीह में निर्धारित है। जनसभा झंडा मैदान में होगी और इसके लिए प्रदेश नेतृत्व ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश खुद पूरी तैयारियों की देखरेख कर रहे हैं। उनकी इस कवायद का उद्देश्य राष्ट्रीय अध्यक्ष की जनसभा में अधिक से अधिक थीड़ जुटाना है। वे विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे। योग दिवस के मौके पर वे मधुवन में योग करेंगे।22 जून को जेपी नड्डा

चार घंटे में दूसरी बार बदला भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यक्रम गिरिडीह में है। यहां वे सभा को सम्बोधित करेंगे। हालांकि तय कार्यक्रम में लगातार बदलाव हो रहा है। अब भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष 23 जून की जगह 2२ की सुबह ही गिरिडीह पहुंचेंगे। चार घंटे के अंदर कार्यक्रम में दूसरी बार बदलाव किया गया है। अब पूर्व घोषित 22 जून को ही नड्डा गिरिडीह पहुंचेंगे।

मोदी है तो मुमकिन है : अन्नापूर्णा देवी

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी ने कहा है कि मोदी है तो मुमकिन है। उन्होंने बताया कि 2014 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने और इसके बाद निरंतर देश तरक्की की राह पर चलता रहा। उन्होंने बताया कि नौ वर्ष के कार्यकाल को देखते हुए देश की जनता यह बार बार कह रही है कि मोदी है तो मुमकिन है। नरेंद्र मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरा होने पर भाजपा महाजनसम्मर्क अभियान चला रही है। वहीं अभियान के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यक्रम गिरिडीह में तय हुआ है। इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी अलावा बोकारो विधायक विरंची नारायण कैंप किए हुए हैं। मंडल अध्यक्ष के अलावा पार्टी के विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ता को लेकर जुटे हैं।

बाबा है कि परिवर्तन तय है। जल्द ही इसकी घोषणा कर दी जायेगी।

मानसून की हुई पहली बारिश, गर्मी से मिली राहत

बारियातू। प्रखंड क्षेत्र के डाडा, फुलसु, बालूभांग, गोनिया, शिबला, टॉटी, साल्वे, व अमरवाडीह में मंगलवार को मानसून की पहली बारिश तेज हवा के साथ शुरू हुई। जिससे किसान सहित आमजन को तपती गर्मी से कुछ हद तक राहत की सांस मिली। पिछले कई दिनों से लगातार 40 डिग्री तापमान रहने के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त थे। लम्बे समय के बाद बारियातू प्रखंड क्षेत्र में बारिश हुई जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है। किसान अशोक साव, मो अंसार, बिशुनदेव उरांव, तुलसी उरांव, भुनेश्वर यादव, मंगर गंडु, सुरेश गंडु, संकेन्द्र राम, मो साकिर, रमेश यादव, नागेश्वर यादव चमन भुइया, महेंद्र साव, सहित कई किसानों ने बताया कि रथ दुतिया के दिन बारिश होने से किसानों के लिए अच्छे संकेत मिलते हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का जिला स्तरीय बैठक संपन्न, आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा



लातेहार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का जिला स्तरीय बैठक वैष्णो मंदिर लातेहार में संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता नवनियुक्त जिला संयोजक उज्वल शुक्ला ने किया। बैठक में आगामी विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से 04 जुलाई को स्वामी विवेकानंद जी के पुण्यतिथि के अवसर पर जिले के विभिन्न इकाईयों में माल्यार्पण, पौधारोपण और संगोष्ठी कार्यक्रम होना सुनिश्चित हुआ है। वहीं 9 जुलाई से 16 जुलाई को राष्ट्रीय छात्र दिवस के उपलक्ष्य में सभी इकाईयों में परिषद से परिचय का कार्यक्रम सुनिश्चित हुआ है। आगामी 23 जुलाई को जिला सम्मेलन डिग्री कॉलेज मनिगा में होना तय हुआ है। बैठक को संबोधित करते हुए जिला संयोजक ने बताया की आगामी 21 जून से 10 अगस्त तक विद्यार्थी परिषद जिले भर में शैक्षणिक मुद्दों को लेके आंदोलनरत रहेगी। बैठक में मुख्य रूप से प्रांत सह मंत्री रमेश उरांव, प्रांत एसाएफएस सह प्रमुख कुमार नवनीत, जिला सह संयोजक बृजकिशोर टाना भात, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य उत्तम कुमार, पूर्णकालिक अतुल कुमार सिंह, राष्ट्रीय कला मंच जिला प्रमुख अभिषेक, कमलेश, देवदास सिंह, रंजित, अनिरुद्ध, संदीप टाना भगत व पूर्व कार्यकर्ता गौरव उपस्थित रहे।

स्पीड न्यूज तीन दिवसीय कार्यक्रम से प्रारंभ



बेतला। बेतला नेशनल पार्क से सटे बरवाडीह प्रखंड के ग्राम सरईडीह में शिव मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मंगलवार को सुबह गाजे बाजे के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर से कैचकी ओरंगा कोयल संगम से पवित्र जल को पुरोहित से मंत्रों से अभिमंत्रित करा कर पुनः लौटे, इस कलश यात्रा में मनिगा विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह, समाजसेवी अमरेश प्रसाद गुप्ता जोखन प्रसाद, नवल प्रसाद, ओमप्रकाश गुप्ता, मंदू सिंह, प्रकाश सिंह, विकास सिंह समेत कई लोग मौजूद थे।
भक्त्य रूप से निकाला गया बलराम व बहन सुभद्रा की शोभायात्रा

बालूमाथ। बालूमाथ महावीर मंदिर परिसर से मंगलवार को भगवान बलराम व बहन सुभद्रा का शोभायात्रा निकाला गया। बैद बाजे की धुन पर महावीर मंदिर से आरंभ होकर थाना चौक, मुरपा मोड़ होते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचा और वहां से पुनः कई टोलो मुहले का भ्रमण करते हुए दुर्गा मंदिर मौसी बाड़ी पहुंचा। इस बीच हजारों श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। इससे पूर्व पंडित दीनानाथ वैद्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना की। इस रथयात्रा में महावीर मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष प्रयाग साव, उपेंद्र रंगीला, अखिलेश गंडु, लालदेव गंडु, शैलेश सिंह, अमर ठाकुर, बालूमाथ मुखिया नरेश लोहरा, उप मुखिया अमित कुमार, सुरेंद्र साहू, वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, जितेंद्र राजक, राजू कुमार, अशोक साहू, जगन्नाथ यादव, रवि चौरसिया, सरवन सोनी, प्रीत लाल यादव समेत भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

अध्यक्ष बने प्रेमचंद गंडु लातेहार। खरवार भोगता समाज विकास संघ लातेहार जिला समिति की घोषणा की गई। इस संघ के केंद्रीय अध्यक्ष दर्शन गंडु ने इस संबंध में एक कार्यालय आदेश भी जारी किया गया है। जिसमें लातेहार जिला समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गंडु, सचिव सत्यनारायण गंडु, उपाध्यक्ष रामधारी गंडु, खेमलाल गंडु, हेमराज सत्यनारायण गंडु, प्रयाग गंडु, मनमोहन गंडु, सुरेश कुमार गंडु, हरि गंडु, प्रभु गंडु, फुलेश्वर गंडु, पिपुनी गंडु, दिनेश्वर गंडु, सहसचिव सरहल गंडु, जगदीश गंडु, राजू गंडु, प्रधान सिंह, लुधेश्वर गंडु, रतु गंडु, नागेश्वर गंडु, महेंद्र गंडु, घनश्याम गंडु, बलजीत गंडु, सोमनाथ गंडु, कलेंद्र गंडु, सगठन मंत्री दीपू भोगता, मीडिया प्रभारी लालदेव गंडु, प्रकटा महेश गंडु, जगतान सलाहकार बिनोद गंडु, जयप्रकाश कुमार गंडु, रामगुप्त गंडु, कार्यकारणी सदस्य में पंचम गंडु, रामकृष्ण सहित कई लोगों को नाम शामिल किया गया है।

चंदवा के कामता गढ़ में धूमधाम ने निकली रथ यात्रा, भक्तो ने लिया भगवान जगन्नाथ का आर्शीवाद राज पुरोहितो व श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का खींचा रथ



रथ मेले में विधि व्यवस्था का जायजा लेते अधिकारी।

रथ मेले में उमड़ी भारी भीड़

इस वर्ष रथ मेला लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली जहां प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से

हजारों की संख्या में लोग शामिल हुये। इस दौरान विधि व्यवस्था संचालन को लेकर लातेहार एसपी

जनसंपर्क अभियान के तहत लाभार्थी सम्मेलन संपन्न

झारखंड में बिजली की व्यवस्था चौपट हो गई है, जिससे जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है: मुकेश निरंजन सिन्हा

खबर मन्त्र संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित होटल प्रतिष्ठा में मंगलवार को भाजपा का लाभार्थी सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला संगठन प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा ने भाग लिया। लाभार्थी सम्मेलन मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।



कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि कर किया गया। मौके पर बोलते हुए मुकेश निरंजन सिन्हा ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल बेमिसाल अनेक योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। जिसमें पीएम आवास, जन-धन योजना, हर घर जल नल योजना, जन धन बीमा योजना, फसल बीमा योजना, आयुष्मान भारत योजना शामिल है। साथ ही कहा कि झारखंड में बिजली की व्यवस्था चौपट हो गई है। आज के हेमंत सरकार पर समय से बिजली नहीं देने पर जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आयोजित कार्यक्रम में



आकर्षक ढंग से सजायी गयी भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा।

श्रित नाथ शाहदेव, अधिवक्ता लाल प्रदीप नाथ शाहदेव, लाल प्रतिक नाथ शाहदेव, लाल अरविंद नाथ शाहदेव, लाल विक्रम नाथ शाहदेव, अजीत लाल, प्रखंड उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा समेत अन्य लोगों ने अहम योगदान दिया।

सुभद्रा को उतारा जाता है। यह 15 दिन के आषाढ प्रतिपदा से अमावस्या तक उनका पुनः रंग-रोगन किया जाता है और आषाढ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को प्राण प्रतिष्ठा, नेत्रदान पुनः किया जाता है और आषाढ शुक्ल पक्ष द्वितीया को रथ यात्रा प्रारंभ होती है। एकदशी को यह पुनः रथ यात्रा यथास्थान पर आ जाते हैं यह नौ दिन तक मौसोबाड़ी में रहते है। यह परंपरा कामता गढ़ में सदियों से चली आ रही परंपरा आज भी कई मायने में कायम है। इसका निर्वहन टोरी स्टेट के युवराज लाल प्रेति नाथ शाहदेव व प्रदीप नाथ शाहदेव, लाल विक्रम नाथ शाहदेव व अन्य की देख-रेख में किया जाता है। यह उत्सव आषाढ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीय को मनाया जाता है।

एक नजर में

मानसून ने दी दस्तक, बारिश ने दी गर्मी से राहत चंदवा। लंबे इंतजार के बाद मंगलवार को रथ रात्रा के दिन चंदवा में मानसून ने दस्तक दे दी। मंगलवार की दोपहर अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हुयी, जो लगभग आधे घंटे तक जारी रही। एक ओर बारिश होने के बाद चंदवा वासियों ने पड़ रही भीषण गर्मी से राहत ली तो दुसरी ओर ग्रामीण इलाकों में बारिश व आंधी के कारण लोगों को क्षति भी उठानी पड़ी कई स्थानों पर पेड़ टूट कर गिर गये वहीं चेंटर पंचायत के आन गांव के पास तनी हाईटेशन टावर आंधी के कारण गिर गया। इस दौरान टावर का तार विद्युत प्रवाहित 11 हजार वोल्ट के तार के संपर्क में भी आ गया, शुक्र रहा की उस समय आसपास कोई नहीं था अन्यथा जान माल की भी क्षति हो सकती थी। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुये तत्काल इसकी सूचना बिजली विभाग के लोगों को दी जिन्होंने तुरंत बिजली काट दी जिससे कोई हादसा नहीं हुआ।

आजसू के स्थापना दिवस सह संकल्प सभा का आयोजन लातेहार। 22 जून को आजसू पार्टी 37 वर्ष पूरा कर 38 वें वर्ष में प्रवेश करेगी। इस उपलक्ष्य में लातेहार आजसू कार्यालय लातेहार में 22 जून को पार्टी का स्थापना दिवस व रक्त दान करने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर लातेहार जिले के सभी पदाधिकारी उपस्थिति अनिवार्य है और आजसू के कार्यकर्ता रक्तदान भी करेंगे। झारखंड का स्थापना काल से ही जनता ने जो सपना देखा था वह आज भी अधूरा है। भय भूख झूठ और फरेब कर सत्ता में आई सरकार भ्रष्टाचार लूट को निरंतर घोटाला का श्रृंखला बनाई है।

टॉप टेन विद्यार्थियों को विद्यालय करेगा सम्मानित

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रोजेक्ट इंदिरा गांधी मेमोरियल बालिका उच्च विद्यालय में बुधवार को माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा में सफल होने वाले टॉप टेन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनीता बारा ने बताया की मेट्रिक की परीक्षा में विद्यालय में टॉप टेन पर रही छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम का आयोजन बुधवार सुबह 8:30 बजे से किया जाएगा। मौके पर विद्यालय के शिक्षक चंचल सिंह, रेखा कुमारी, निर्मल सिन्हा, संजीत कुमार, विमला कच्छप, दिलीप शर्मा, चंदन दास मौजूद थे।

आंधी तूफान से घर का एलबेस्टर उड़ा, मदद की गुहार

लातेहार। जिला मुख्यालय एवं गांव में आंधी-तूफान एवं बजपात के कारण जन जीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। कई पेड़ गिरकर धारासायी हो गया, बिजली के खंभे एवं तार क्षतिग्रस्त हो जाने से बिजली बाधित रही, वहीं लातेहार सदर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बारियातू जागिर खुदं नवोदय विद्यालय रोड पर स्थित विपिन बिहारी ठाकुर का आंधी तूफान से ध्वस्त हो गया। वहीं पीड़ित ने बताया कि दो साल पहले घर बनाया था। यह तूफान में मेरे घर का एलबेस्टर उड़ गया हैरु मे गरीब आदमी हूं मे क्या करूँ समझ नहीं आ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण

चंदवा। भीषण गर्मी के बीच कामता पंसस अयुध खान ने हिसरी ग्राम का भ्रमण कर जल जीवन मिशन योजना के तहत हुए बोरिंग, पाइप और गड्ढे का निरीक्षण किया, कहा कि केंद्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल का जल योजना की गति गांव में काफी धीमी है, गांव में इस योजना की शुरुआत हुए महिनों हो गए लेकिन हर घर नल जल योजना की पानी आज तक घरों में नहीं पहुंच पाई है, सरकारी चापानल की स्थिति बेहद खराब है, स्कूल स्थित महुआ टोला में एक जलमीनार है उसका मोटर कई माह से खराब पड़ा हुआ है, इससे टोले में पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है, अभी तक टोले में पेयजल की व्यवस्था को लेकर कोई तोस कदम नहीं उठाया गया है, सुबह शाम टोले की महिलाएं दुसरे टोले में पानी भरकर को मजबूर हैं। इन्होंने तत्काल पेयजल संकट निदान करने की मांग सरकार व प्रशासन से की है। भ्रमण के मौके पर रविन्द्र भोगता, तेतर उरांव, कामदेव उरांव, शहदेव उरांव, अमेश उरांव, अमीत चुरी, अमरजीत तुरी, अजय नायक, विकाश गंडु, अकाश उरांव व अन्य शामिल थे।

भूमि विवाद को लेकर मारपीट में छह घायल

बालूमाथ। एकीकृत बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के गोनिया ग्राम में भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट में छह लोग घायल हो गए। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को गोनिया ग्राम में अपना-अपना जमीन बताकर बाउंड्री करने को लेकर दोनों तरफ से जमकर मारपीट हुई। जिसमें छह लोग घायल हो गए। जिसमें घायलों में एक पक्ष से अजय साव 50 वर्ष, नेहरु प्रसाद 37 वर्ष पिता स्व. भुनेश्वर साव दोनों राजगुरु निवासी, वहीं दूसरे पक्ष से एक परिवार के राजेन्द्र विश्वकर्मा 68 वर्ष, विक्रम कुमार 23 वर्ष राजेंद्र विश्वकर्मा, पार्वती देवी 60 वर्ष पति राजेन्द्र विश्वकर्मा, शांति कुमारी 20 वर्ष पिता राजेन्द्र विश्वकर्मा घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर सुरेश राम की देखरेख में प्राथमिक उपचार किया गया।

चापानल खराब होने से पानी के लिए ग्रामीण परेशान

बारियातू। प्रखंड अंतर्गत शिबला पंचायत के झिरमतकोमा ग्राम में पिछले दो माह से चापानल खराब रहने के कारण पेयजल के लिए ग्रामीण काफी परेशान हैं। ग्रामीण इंद्रदेव यादव, जीवन गंडु, आदित्य गंडु, मनोज गंडु, सोहरी देवी, प्रमिला देवी, जसवा देवी, बसंती देवी, बिन्दो गंडु, काशी यादव, अंदू गंडु सहित अन्य ग्रामीण ने बताया कि झिरमतकोमा ग्राम में पिछले दो माह से चापानल खराब पड़ा हुआ है। जिसके कारण हम सभी ग्रामीणों को काफी दूर से पानी लाकर पेयजल की जरूरत पूरी करनी पड़ रही है। झर भीषण गर्मी तथा बढ़ते तापमान के कारण आस-पास के कुआं, चापाकल व तलाब में जल स्तर काफी नीचे चला गया है। जिसके कारण हम सभी ग्रामीणों वैदिक कार्य के लिए काफी कठनाई हों रही हैं। साथ ही मवेशी व अन्य पालतू जानवरों को भी पानी की परेशानी बढ़ी हुई है। झिरमतकोमा के ग्रामीणों ने उपायुक्त व सस्बधित विभाग से चापानल मरम्मत करवा कर पेयजल सुविधा बहाल कराने की मांग की है।





रंजीत बने जमसं बस्ताकोला के क्षेत्रीय अध्यक्ष

झरिया। जनता मजदूर संघ बस्ताकोला क्षेत्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह बनाये गये। इसकी लिखित पत्र संघ के महामंत्री सिद्धार्थ गोमत उर्फ मनीष सिंह ने बीसीसीएल प्रबंधन, सीएमडी, डीटी, लेबर कमिश्नर, जिला प्रशासन सहित संबंधित विभाग को पत्र देकर जानकारी दी है। साथ ही औद्योगिक संबंध बनाने को लेकर श्री ने सहयोग करने की मांग की। रंजीत सिंह पूर्व में भी जमसं के राजापुर शाखा सचिव सहित क्षेत्रीय कमेटी में पदाधिकारी थे। विभाजन के बाद से रंजीत सिंह को जमसं बस्ताकोला क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाये जाने पर मजदूरों में हंग का माहौल कायम है। इस संबंध में संघ के महामंत्री सिद्धार्थ गोमत ने कहा कि रंजीत सिंह को क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाये जाने से मजदूर समस्याओं का समाधान में काफी बल मिलेगा। वहीं संघ का मजबूती होगी। वहीं रंजीत सिंह ने कहा कि आला अधिकाारियों द्वारा दिया गया जिम्मेदारी को हर संभव निभाने का काम करेगा।

बजरंगबली मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम

बोकारो/तालगाड़िया बोकारो। बोकारो जिलान्तर्गत चंदनकियारी प्रखंड के नयावन पंचायत के पर्वतपुर में नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर व मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। आचार्य जयप्रकाश पांडेय व पुरोहित संतोष बनर्जी ने वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दो दिवसीय अनुष्ठान में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा उपरांत महाप्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर अशोक दसौधी, सुरेश सिंह, बकिम माजी, अनिरुध माजी, पंकज मंडल, अश्विनी बाउरी, राजाराम महतो, सुबोध मंडल, ठाकुर दास माजी, बलराम माजी, शंकर बाउरी, दिनेश बाउरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बोकारो प्लांट में 5 एस कार्यक्रम

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के बी ई विभाग के द्वारा 5 एस कार्यक्रम के कार्यान्वयन का आयोजन मानव संसाधन विकास के लघु सभागार में आयोजित किया गया जिसमें लगभग 70 कार्मिक प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में सभी उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए विभाग की जीएम अनुपमा तिवारी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मौके पर अधिशासी निदेशक सामग्री प्रबंधन वीरेंद्र कुमार तिवारी एवं अधिशासी निदेशक कार्मिक एवं प्रशासनिक राजन प्रसाद ने 5 एस प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रतिभागियों को इससे संयंत्र को होने वाले लाभ के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक एस साहू ने किया।

चेन्नई राधा इंजीनियरिंग का रक्तदान शिविर

बोकारो। चेन्नई राधा इंजीनियरिंग ने अपने वेयरहोम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में उनकी दीर्घायु के निमित्त बोकारो लिए के विभिन्न क्षेत्रों सहित देश के अन्यान्य स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 1983 में स्थापित इस कंपनी के मधुबन कोल वाशारी क्षेत्र में काम कर रहे कंपनी कर्मियों व अन्य ने रक्तदान किया तथा गरीबों व बेसहाराओं को दान देकर उनकी मदद की। मौके पर कुटुंब लक्ष्मी विनायकम, सुकांता, सिल्वर राज, राजेश, कैलाश, मदन, मुर्गन, मौशीम, मुधु स्वामी, प्रमोद साहू, प्रभात कुमार आदि ने रक्तदान अनन्वयन व उससे पूर्व भगवद पूजन कार्यक्रम किया।

जय जगन्नाथ ! सज-धज कर निकली सवारी, भगवान पहुंचे मौसी बाड़ी

रथ यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

झरिया। श्रद्धा व पारंपरिक उल्लास के साथ भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। मेन रोड स्थित पंचदेव मंदिर परिसर में सुबह में भगवान गन्नाथ की पूरे विधि-विधान से पूजा की गई। मंदिर के पुजारी विजय पांडेय ने यजमान अजय गुप्ता व सूरज गुप्ता हाथ पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराए। भगवान के दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। दोपहर बाद जगन्नाथ प्रभु, बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र के विग्रहों को रथ पर विराजमान कर रथयात्रा शुरू हुई। रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मची रही। भारी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चों आस्था की डोर में बंधे रथ को खींचा। रथयात्रा पंचदेव मंदिर से शुरू होकर धर्मशाला रोड, लाल बाजार, लक्ष्मनिया



बोकारो में निकली रथयात्रा

बोकारो। स्थानीय सेक्टर 4 श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजन कार्यक्रम के पश्चात् बीएसएल के ईडी वरसं बीके तिवारी द्वारा श्री जगन्नाथ जी के रथ का छेरा पहारा किया गया। तत्पश्चात् जगन्नाथ रथ यात्रा अंबेडकर चौक बीजीएच के सामने गांधी चौक पत्थरकड़ा चौक सेक्टर वन होते हुए राम मंदिर पहुँची जहाँ भगवान की आरती की गयी। पूरे रास्ते में रथ खींचने वाले श्रद्धालुओं के सेवाार्थ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने शरबतए पेय जल व अल्पाहार का स्टाल लगाया और पूरी लगन से सेवा देते रहे। 27 जून तक भगवान का पूजन एवं श्रद्धालुओं हेतु दर्शन उनके मौसी बाड़ी राम मंदिर प्रांगण में ही होगा।

मोड़, बाटा मोड़ होते हुए चार नंबर टैक्सी स्टैंड पहुँची, जहाँ रथ को तीन दिनों के लिए स्थापित किया गया। इस विशेष अवसर पर चार नंबर टैक्सी स्टैंड में मेले का भी आयोजन किया गया है। यहाँ तीन दिनों तक भगवान जगन्नाथ समेत तीनों विग्रहों की विशेष पूजा-अर्चना व आरती के बाद भोग लगेगा। चौथे दिन भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र को रथ पर सवार कर

वापस पंचदेव मंदिर लाया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में समिति के संयोजक विष्णु त्रिपाठी, अजय गुप्ता, सूरज गुप्ता, विजय पांडेय, हरीश जोशी, राजकुमार अग्रवाल, बलदेव पांडेय, अरिंदम बनर्जी, मुकेश्वर मिश्रा, मुन्ना पांडेय, संजय केसरी, रामश्रेष्ठ झा, लोकेश गुप्ता, कल्लू गुप्ता, शिवम त्रिपाठी, सदाशिव केसरी, डोल केसरी आदि का योगदान रहा।

बोकारो : न्याय सदन सभागार में डीएलाएमसी की बैठक में चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता



बोकारो। न्याय सदन सभागार में पीडीजे कुमारी रंजना अस्थाना की अध्यक्षता में डीएलाएमएसपी की बैठक हुई। मौके पर वरीय पदाधिकारीगण एवं बार एसोसिएशन सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कुमारी रंजना अस्थाना ने भवन प्रमंडल विभाग के सहायक अभियंता से जिले में चाइल्ड फ्रेंडली कोर्ट निर्माण के संबंध में पूर्व से संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने को कहा। पुलिस को विभिन्न मामलों के आरोपियों की पेशी एवं केस डायरी न्यायालय के

समक्ष ससमय सुनिश्चित करने को कहा। सिविल सर्जन को पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों के पीडितों की जांचए स्वास्थ्य सुविधा के लिए सदर अस्पताल बोकारो एवं तनुघाट स्थित अस्पताल में स्थान आवंटित करते हुए विशेष चिकित्सकों की टीम प्रतिनियुक्त करने को कहा गया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिया गया। मौके पर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

झरिया : लाभार्थी सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब

खबर मन्त्र संवाददाता

झरिया। मंगलवार को झरिया विधानसभा के भागा मंडल अंतर्गत अनिल टॉकीज विवाह भवन में लाभार्थी सम्मेलन भाजपा भागा मंडल अध्यक्ष सुजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनबाद के सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्णिम 9 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कार्यों की चर्चा विस्तार पूर्वक की। कार्यक्रम की प्रभारी सह निरसा विधायक अपर्णा सेन गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष में किए गए कार्यों को विस्तार पूर्वक रखा वहीं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने लाभार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का आग्रह किया गया। इस



सभा में थे मौजूद

मौके पर मानस प्रसून, सुमन अग्रवाल, पुनम देवी, प्रियंका देवी, अभिषेक पाण्डेय, संतोष शर्मा, राजा राम पासवान, राजकिशोर जैना, मनोज प्रसाद आदि मंचासीन थे वहीं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दिलीप भारती, अखिलेश सिंह, रोहित बिंद, विशाल श्रीवास्तव, छोटू सिंह, शशिकांत निराला, दिलीप आडवाणी, सुभमा देवी, मयूरी द्विवेदी, संतोष सिंह, योगेश्वर यादव, सतदेव सिंह, उपेन्द्र विश्वकर्मा, स्वरूप भट्टाचार्य, राम यादव, वीरू महतो, इंद्रजीत सिंह, अरविंद यादव, संजय यादव, रजनीश साव, गणेश साव मौजूद थे।

दौरान मुख्य रूप से धनबाद के पूर्व महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल, भाजपा धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह

कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह, जिलाध्यक्ष हरी प्रकाश लाटा, एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ध्रुव हरी ने संबोधित किया।

जीजीइएसटी के विद्यार्थियों का औद्योगिक भ्रमण

खबर मन्त्र संवाददाता



बोकारो। गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस बोकारो से हैकार्थान के लिए चर्चित 29 छात्र/छात्राओं ने ईएसएल वेदांता का औद्योगिक भ्रमण किया। वहां उन्होंने प्रोब्लम सॉल्विंगए पार्टिसिपेटिव लर्निंग, नवाचार विचार आदि के बारे में जानकारी पाई और अभ्यास किए। कॉलेज के निदेशक डॉ प्रियदर्शी जल्हार ने बताया कि प्रोपे दवाशंकर दिवाकर प्रो भास्करानंद

के समन्वयन में यह पहल कॉलेज के इस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल द्वारा कार्यान्वित हुई है। प्रोप सुभमा कुमारी ने छात्रों को टीम का नेतृत्व किया। ईएसएल वेदांता के अधिकारी चोफ डिजिटल ऑफिसर नीलिमा शर्मा, चोफ

एचआर ऑफिसर खिरोद कुमार बारीकए लीड एल एंड डीएचआर करणा वाण्येय आशुतोष सिंह, अनुपम झा, अबीर चौधरी ने विशेष सहयोग दिया। छात्रा पल्लवी कुमारी ने प्रदूषण संबंधित सुझाव दिये।

राशन कार्डधारियों के आयुष्मान कार्ड बनाने में लार्यें तेजी

बोकारो/पेटरवार। पेटरवार प्रखंड सभागार में सहियाओं के बीच आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। मौके पर डीडीसी कीर्ति श्री जी ने सहियाओं को आयुष्मान कार्ड निर्माण में गति लाने को कहा। कहा कि जिला प्रशासन ने 16 जून से 30 जून तक सभी पंचायत सचिवालयों व भवनों में राशन कार्डधारियों को आयुष्मान कार्ड निर्माण का अभियान शुरू किया है।

इस अभियान के सफल आयोजन में सहियाओं को भूमिका अहम है। बीडीओ पेटरवार शैलेंद्र कुमार चौरसिया ने भी सहियाओं को संबोधित कर अभियान को सफल बनाने में बीएलईए ज्विप्र दुकानदारों आदि का सहयोग करने को कहा। उल्लेखनीय है कि जिले के सभी प्रखंडों में सोमवार को सहियाओं को प्रखंडों के मास्टर ट्रेनरों द्वारा आयुष्मान एप का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह, जिलाध्यक्ष हरी प्रकाश लाटा, एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ध्रुव हरी ने संबोधित किया।

कोयलांचल पत्रकार संघ के शिविर में 250 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

झरिया। कोयलांचल पत्रकार संघ के केन्द्रीय कार्यालय शालीमार में कोयलांचल पत्रकार कल्याण समिति तथा कोयलांचल पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वाधान में असर्फी अस्पताल के सौजन्य से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उदघाटन समिति के संस्थापक सह संघ के अध्यक्ष मो मुख्तार अहमद ने किया। शिविर में विभिन्न तरह के 250 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। जांच में आँख, ईंसीजी, बीपी, शुगर, वजन आदि का जांच किया गया। असर्फी अस्पताल के चिकित्सकों में गौसिया निगार, विश्वजीत मंडल, ज्योति मुर्मू, सुजाता, मोनालिसा,

साजिद अंसारी, मार्केटिंग शेख रउफ, सूरज मिश्रा थे। शिविर में जांच के लिए जोड़ापोखर, भागा, फुसबंगला, जामाडोबा, शालीमार, डिवाडीह, जेलगोरा आदि क्षेत्र के मरीज सुबह से जाँच के लिए भीड़ लगाए हुए थे। शिविर को सफल बनाने में अध्यक्ष मुख्तार अहमद, कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य सिंह, महामंत्री राहुल मिश्रा, सचिव अरुण कुमार, सुनील सिंह, संजय पाण्डेय, गणेश तिवारी, समीम हुसैन, आलम अंसारी, कार्तिक वर्मा, मो अरमान, साधु सिन्हा, गुलजार आलम, शिवनाथ पांडेय, आशीष घोष, काजल राय, मनोज यादव, सचिन सिंह, सन्नी शर्मा मौजूद थे।

योग को लेकर निकली जागरूकता रैली

खबर मन्त्र संवाददाता



धनबाद। मंगलवार को 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर सिंभर फुटबाल ग्राउंड में जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी की देखरेख में पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान दर्जनों लोगों ने पूर्वाभ्यास में हिस्सा लिया। इस अभ्यास क्रम में श्रीवा चलान, स्कंध चलान, अर्ध चक्रासन, उत्तानपाद शशाक आसन, भुर्जंगासन, मकरासन, पवनमुक्तासन आदि का अभ्यास कराया गया। प्राणायाम की श्रृंखला में कपालभाति, शौंली एवं श्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। पूर्वाभ्यास के बाद जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी एवं

प्रभारी जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर बी एस एस बालिका विद्यालय से योग जागरूकता रैली निकाली गई। इस जागरूकता रैली में स्कूल की बालिका द्वारा लोगों से योग करने को लेकर प्रेरित किया गया। इस दौरान जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि विश्व योग दिवस को सफल बनाना है। सभी लोग योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रतिभाग करें। साथ ही योग करके निरोगी बनें। उन्होंने कहा कि योग करने से लोगों का शरीर स्वस्थ रहता है। उन्हें गंधार बीमारियों से निजात मिलती है।

कुटुंबकर्म एवं 'हर आंगन योग' के संबंध में जानकारी दी। स्थानीय पत्रजलि योग समिति के प्रखण्ड अध्यक्ष श्री अशोक कुमार गुप्ता ने सभीसौ धनबाद के साथ समन्वय

योग को लेकर बच्चों को किया प्रेरित, निबंध-पेंटिंग प्रतियोगिता हुई

योग दिवस आज

खबर मन्त्र संवाददाता



धनबाद। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यालय, धनबाद के द्वारा योग दिवस की पूर्व संस्था पर प्री पब्लिसिटी कार्यक्रम के तहत पत्रजलि योग समिति के सहयोग से आदर्श माध्यमिक विद्या निकेतन मन्दिर उच्च विद्यालय और पत्रजलि योग केंद्र में पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। जिसमें

स्थानीय स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं से पूर्व उच्च विद्यालय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्या श्रीमती

आज विजयी प्रतिभागी होंगे पुरस्कृत

आदर्श माध्यमिक विद्या निकेतन मन्दिर उच्च विद्यालय और पत्रजलि योग केंद्र भूली में आयोजित पेंटिंग, निबंध, योगाभ्यास आदि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 21 जून को प्रातः सीबीसी, धनबाद द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित परिचर्चा सह योगाभ्यास कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। इस अवसर पर विभाग से पंजिकृत सांस्कृतिक दल जामताड़ा कला मंच द्वारा योग पर कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी जाएगी। वहीं योग पर आधारित एक रैली भी निकाली जाएगी।

में आयोजित होने वाले कल के मुख्य कार्यक्रम पर खुशी जाहिर करते हुए योग के बढ़ते प्रभाव और समाज में उभरी जागरूकता पर खुशी जाहिर की। आज की प्रतियोगिताओं के समन्वय में सीबीसी धनबाद के क्षेत्रीय प्रचार सहायक श्री राजकिशोर पासवान, भूली क्षेत्र के पूर्व स्थानीय पाण्डे श्री रंजीत कुमार का सराहनीय योगदान रहा। वहीं स्कूल के शिक्षकों नन्द किशोर, श्वेता कुमारी, सुमित कुमार और धीरेंद्र कुमार यादव ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टेक्नल मार्गन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इन्टीग्रेटड लिमिटेड
(कोल इंडिया की एक अनुचंगी ईकाई)
मोदवना प्लेस, कोके रोड, रांची-834031, झारखंड, भारत

सूचना
"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुचंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएं कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/ संबंधित अनुचंगी कंपनी (सीएमपीडीआई, www.cmpdi.co.in/), सीआईएल ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल <https://coalindiatenders.nic.in/> एवं सेंट्रल पब्लिक प्रोक्वोरमेंट पोर्टल <https://eprocure.gov.in> पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, सीआईएम पोर्टल <https://gem.gov.in> के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

डीपीएस बोकारो में उन्मुखीकरण कार्यक्रम



बोकारो। डीपीएस बोकारो में 11वीं कक्षा के नव-नामांकित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में विद्यार्थियों व अभिभावकों को स्कूल के नियम-कानून तथा बच्चों के सही मार्गदर्शन में सहायक बनने संबंधी बातें बताई गईं। प्राचार्य डॉप गंगवार ने कहा कि 11वीं से बच्चों के सपनों और उनके ऐच्छिक करियर को नई उडान मिलती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों पर कड़ी निगरानी रखने, शिक्षकों से नियमित संपर्क में रहने और पीरियोडिक टेस्ट में उनके प्रदर्शन की मॉनिटरिंग करने की अपील की। तिथि वक्ता के रूप में उपस्थित झारखंड के प्रसिद्ध कैरियर काउंसलर विकास कुमार ने बोर्ड तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में संतुलन पर चर्चा करते हुए संबंधित संस्थानों में सीट की उपलब्धताए नामांकन एवं रैकिंग प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। सोशल मीडिया के दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए उन्होंने इसे विद्यार्थियों के लिए कल्युग का राक्षस बताया। कार्यक्रम में यूपीएससी में ऑल इंडिया रैंक 41 लाने वाले डीपीएस बोकारो के पूर्ववर्ती छात्र शुभम कुमार, बीएसएल में उप प्रबंधक आकाश गुप्ता सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

अनियंत्रित होकर खेत में गिरी बाइक, एक की मौत, दूसरा घायल

बेरमो/खेको। बीते रात्री लगभग 10 बजे पेटरवार थाना अंतर्गत खेतको पंचायत के बाईपास रोड में बड़काअहरा सह पुराना कर्बला के समीप दो बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 30 फीट दूर गहरे खेत में जा गिरा। जिस कारण मौके पर ही एक युवक की मौत हो गई और दूसरा युवक घायल व बेहोश अवस्था में रात भर घटना स्थल पर पड़ा रहा। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार विष्णुगढ थाना एवं पैक नारायणपुर थाना क्षेत्र निवासी राहुल कुमार तुरीए शनि कुमार तुरी अपने चचेरे भाई नारायण तुरी बाइक संख्या पेशन प्रो जेएच 09 फ 8304 से उनका ससुराल चांपी जोड़ाबंध पहुंचा कर लौटने के क्रम में यह हादसा हुआ।

बोकारो थर्मल : धरना पर बैठे मृतक के परिजनों को टैकर से रौंदने का प्रायास



बेरमो/बोकारो थर्मल। कुरुपनिया मुख्य मार्ग स्थित नूरीनगर के समीप डीवीसी ऐश पौंड के पास रविवार की रात टैकर के चपेट में आने से धरनाशी बाल बाल बच गए बता दें कि डीवीसी बीटीपीएस के सलाई मजदूर कालीचरण महतो की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई घटना के बाद मृतक के आश्रित और ग्रामीण युवावाला और नौकरी की मांग को लेकर शव के साथ सड़क जाम कर धरने पर बैठ गए जाम स्थल के कुछ दूरी पर एक टैकर खड़ा था रात को अचानक झड़वर ने टैकर को स्टार्ट कर धरना पर बैठे लोगों को रौंदने की कोशिश कीण टैकर लोगों के बीच से निकलते हुए आगे जाकर ऐश पाइप से टकरा गया इस दौरान टैकर के चपेट में आने से चार बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयीं वहीं अंधेरे का लाभ टैकर चालक वहां से भाग निकला। इसके बाद प्रबंधन से वाता हुई। इसमें डीजीएम बीजी हौलकरए एचआर सुनील महतो, दिवंगत शिक्षा मंत्री के पुत्र अखिलेश महतो उर्फ राजुए पूर्व विधायक प्रतिनिधि टेकलाल चौधरी, थाना प्रभारी शैलेश कुमार चौहाण सुमन कुमार मुखिया बिनय कुमार रविप दरशर महतोए सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवालए जितेंद्र यादवए जालेश्वर महतोए गंगाराम महतोए किंग कोबरा के सुप्रीमो श्याम सुंदर महतोए पूर्व जिव सदस्य टिकेट कुमार महतोए प्रखंडध्यक्ष मंजूर आलमए उपाध्यक्ष अजय कुमार मंडलए हरि महतोए मिथिलेश महतोए रीतलाल महतोए गणेश रामए नवीन कुमार पाटकए किशोर कुमार महतोए जागेश्वर महतो व अन्य शामिल थे।

सीओ बाघमारा के हस्तक्षेप के बाद आंदोलन समाप्त



खबर मन्त्र संवाददाता

बाघमारा। मंगलवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत जनता दल यूनाइटेड के बैनर तले जदयू नंदखुरकी पंचायत कमिटी द्वारा बेरोजगारों युवाओं और प्रभावित परिवारों को रोजगार की मांग को लेकर खेमका केरियर आउटसोर्सिंग कंपनी का चक्का जाम सुबह 8:00 बजे से 2:00 बजे तक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू नंदखुरकी पंचायत अध्यक्ष सागर चौहान ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीपनारायण सिंह उपस्थित हुए। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दीपनारायण सिंह ने कहा कि कंपनी द्वारा डी जी एम एस एवं पंचायत संरक्षण नियमों को ताब पर रखकर उत्खनन का काम कर रही है। यहां स्थानीय युवा धूल फाक रहे हैं और लोग बीमार हो रहे हैं। परंतु कंपनी यहां के स्थानीय और प्रभावित परिवार के युवाओं को रोजगार नहीं दे रही है।

योग दुनिया को भारत की देन है। दुनिया के 175 देशों के समर्थन के बाद संयुक्त राष्ट्र ने हर साल 21 जून को विश्व योग दिवस मनाने का फैसला किया। इस बार सातवें विश्व योग दिवस को भी कोरोना संकट के चलते वचुअली मनाने की कवायद जारी है। संयुक्त राष्ट्र ने इसकी थीम योगा फॉर वेल् वेला बीगिंग यानी मानवता के कल्याण के लिए योग रखा है। कोरोना संकट ने दुनिया को अहसास कराया है कि योग ने महामारी के दौर में न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक व मनोवैज्ञानिक तौर पर भी भयानकत लोगों को मजबूती दी। इससे कोविड-19 के नकारात्मक प्रभावों तथा अवसाद से उबरने में लोगों को मदद मिली है। संयुक्त राष्ट्र ने भी स्वीकारा है कि महामारी के दौरान योग ने न केवल संक्रमितों को स्वस्थ बनाने में मदद की है बल्कि पृथकवास के दौरान अवसाद से लड़ने की ताकत दी। योग के आठ अंग-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इसे संपूर्णता प्रदान करते हैं। जहां यम के पांच प्रकार सत्य, अहिंसा, अस्त्येय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह हमें जीवन में वैचारिक पवित्रता की राह दिखाते हैं, वहीं नियम के पांच प्रकार शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय तथा ईश्वर प्राणिधान व्यक्तिगत मूल्यों की स्थापना में सहायक हैं। सांसे से हम अपने तन-मन को साध सकते हैं। वहीं इंद्रियों के नियमन की प्रक्रिया को प्रत्याहार कहा जाता है। सही मायनों में योग मनुष्य को मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने का साधन है। पतंजलि के लेख स्वामी योगानंद, स्वामी शिवानंद सहित देश के संतों माध्यम से योग पूरी दुनिया में फैला। आज भी देश के योग गुरु पूरी दुनिया में अपना वैभव स्थापित कर रहे हैं। जिस प्रकार की हिंसक और मातम का माहौल में वैसे योग एक शांति का दूत है।

हीट वेव से मौत

यूपी-बिहार और झारखंड में तपिश रिकार्ड तोड़ रही है। मानसून दस्तक दे चुका है लेकिन झारखंड समेत देश के कई राज्यों में गर्मी व लू से होने वाली मौतें हमारी गंभीर चिंता का विषय होनी चाहिए। विडंबना यह है कि लगातार बढ़ते तापमान के चलते जहां असहनीय गर्मी से मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है वहीं हमारी चिकित्सा सेवाएं उपचार के लिये पर्याप्त नहीं हैं। इसे सीधे तौर पर धरती के लगातार बढ़ते तापमान की परिणति के रूप में देखा जाना चाहिए। यानी कि हमारे दैनिक जीवन में ग्लोबल वार्मिंग का घातक प्रभाव नजर आने लगा है। यह रहस्य की बात है कि उत्तर प्रदेश में चालीस डिग्री से अधिक तापमान के बीच बलिया जनपद में ही सौ से अधिक मौतें हुई हैं। पूरे राज्य व बिहार के आंकड़ों को मिला दें तो चिंताजनक स्थिति सामने आती है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इसको लेकर एक मीटिंग भी की है। लेकिन इसके बावजूद मौत का आंकड़ा एक खतरनाक संकेत है क्योंकि गर्मी इन मौतों का बड़ा कारण रही है। इसी तरह का संकेत बिहार के कई जिलों में देखने को मिला है। निम्सदिह, मौसम की तलखी से होने वाली मौतों को कम करने के लिये देश में हीट एक्शन प्लान को सुनियोजित ढंग से लागू करने की सख्त जरूरत है। विडंबना यह है कि मौसम की तलखी का मुख्य शिकार देश का गरीब तबका ही होता है जो शीलतहर, लू व बाढ़ की चपेट में आता है। विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाला श्रमिक वर्ग। बहरहाल, प्रचंड गर्मी से उपजी हीट वेव से बचने के लिये उत्तर प्रदेश व बिहार आदि राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि जल्द बारिश के आसार नहीं हैं। गर्मी मानसून के आरंभिक दिनों में उमस के रूप में और अधिक गंभीर रोगों को जन्म देता है।

योग एक अनुभव

विचार-प्रवाह

ऑन संजय द्विवेदी

भारतीय ज्ञान परंपरा में योग एक अद्भुत अनुभव है। योग भारतीय ज्ञान का एक ऐसा खजाना है, जिससे मनुष्य की चेतना को वैश्विक चेतना से जुड़ने का अवसर मिलता है। वह स्वयं को जानता है और अपने परिवेश के साथ एकाकार होता है। विश्व योग दिवस, 21 जून के बहाने भारत को विश्व से जुड़ने और अपनी एक पहचान का मौका मिला है।

दुनिया के तमाम देश जब योग के बहाने भारत के साथ जुड़ते हैं तो उन्हें भारतबोध होता है, वे एक ऐसी संस्कृति के प्रति आकर्षित होते हैं जो वैश्विक शांति और सद्भाव की प्रचारक है। कोरोना संकट के बहाने एक बार फिर हमारी जड़ों की ओर लौटने का विमर्श चर्चा में है। हाथ जोड़कर नमस्कार

करने से लेकर योग और प्राणायाम के साथ ही संतुलित दिनचर्या का महत्त्व समझ में आया। प्रकृति से संवाद करते हुए जीवन जीने की सारथकता भी प्रकट हुई। योग दरअसल भारत की शान है, योग करते हुए हम सिर्फ स्वास्थ्य का विचार नहीं करते बल्कि मन का भी विचार करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व योग दिवस को मान्यता देकर भारत के एक अद्भुत ज्ञान का लोकव्यापीकरण और अंतरराष्ट्रीयकरण करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसके लिए 21 जून का चयन इसलिए किया गया क्योंकि इस दिन सबसे बड़ा दिन होता है।

योग कोई धार्मिक कर्मकाण्ड नहीं है, यह मन और जीवन को स्वस्थ रखने का विज्ञान है। यह पूर्णतः वैज्ञानिक पद्धति है, जिससे व्यक्ति की जीवन्तता बनी रहती है। भारत सरकार के प्रयासों के चलते योग अब एक जनांदोलन बन गया है।

कार्टून वर्ल्ड



लेटर टू एडिटर

गलत भाषा

हाल ही के दिनों में देश के चुनावी अभियानों में राजनेताओं की अमर्यादित भाषा बेचैन करने वाली है। किसी भी सभ्य समाज में हर जिम्मेदार नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी वाणी और व्यवहार पर अंकुश रखेगा। नेताओं के शब्दों की अमर्याद और अशालीनता आजादी के सात दशक बाद भी लोकतंत्र की अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। - पूनम, रांची

स्वच्छ एनर्जी

स्वतंत्र पम्प स्टोरेज परियोजना बनाएँ जैसा बताया गया है। इन परियोजनाओं को नदी के पाट से अलग बनाया जा सकता है। किसी भी पहाड़ के ऊपर और नीचे उपयुक्त स्थान देख कर दो तालाब बनाये जा सकते हैं। ऐसा करने से नदी के बहाव में व्यवधान पैदा नहीं होगा। एनर्जी के लिये बेहतर सोच के साथ आगे जाने की आवश्यकता है। निश्चित तौर देश का हित इसी में है। - रविशंकर सिंह, खूंटी

अभिव्यक्ति

क्या विश्व को योग की जरूरत है?

समाज की आधुनिक संरचना में आदमी सड़क के किनारे मोटरकार रेसिंग की तरह बड़ी गति से आगे बढ़ रहा है। जब तक कार ठीक है तब तक खतरनाक नहीं है, लेकिन अगर कार में कुछ गड़बड़ हुई तो स्पीड तबही मचा देगी। आदमी बहुत तेजी से सोच रहा है, और पर्यावरण, वातावरण और विश्व सभ्यता का सामान्य प्रवृत्ति हम पर एक मजबूर बल प्रदान करता है। हमारा दिमाग पूरी तरह से उनके प्रभाव में है। इसलिए मनुष्य को यह सिखाना आवश्यक हो गया है कि मन के मामलों को कैसे चलाया जाए।

समृद्ध देशों में स्वास्थ्य की अद्भुत समस्याएं हैं। क्यों? समृद्ध देशों में जहां गरीबी नहीं है, जहां सब कुछ आरामदायक है, वहां लोग बिना इस के सो नहीं सकते। जब आरामदायक बिस्तर, केंद्र में गर्म कमरे या वातानुकूलित कमरे हो तो नींद में समस्या क्यों होनी चाहिए? अनिद्रा क्यों होनी चाहिए?

हम बहुत अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि जिन देशों में लोग गरीबी रखा के नीचे हैं वहां चिंता होनी चाहिए, लेकिन समृद्ध देशों में चिंता क्यों होनी चाहिए? खाने को कुछ नहीं और सामाजिक सुरक्षा नहीं और चिकित्सा सुविधा नहीं तो चिंता का कोई कारण है। लेकिन जब सब कुछ उपलब्ध है: सामाजिक सुरक्षा, स्थापित सामाजिक व्यवस्था, एक सुव्यवस्थित सरकार और अत्यधिक परिष्कृत तकनीकी और चिकित्सा सुविधाएं, तो चिंता का कारण कहां है? फिर भी, आंकड़े बताते हैं कि चिंता के अधिक मामले समृद्ध देशों में रिपोर्ट किए जाते हैं, न कि सामान्य गरीबी रखा के नीचे के लोगों में।

इसका मतलब है कि समस्या का न्यूक्लियस मानव मन है। एक मन जो टीक से सोच सकता है, जिसका अपना एक दर्शन हो और जो जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में संतुलन बनाने में सक्षम हो, वह चिंताओं, तनाव और दबावों का सामना कर सकता है। योग आश्रम की परियोजना शुरू करने का उद्देश्य एक आधार बनाना और ऐसी सुविधाएं देना है जहां मनुष्य मन, शरीर और स्वयं के बारे में कुछ अधिक जान सके। पिछले तीन सौ वर्षों में हमने



स्वामी सत्यानंद

एक समय था जब योग का विज्ञान पूरी दुनिया में लोकप्रिय और प्रसिद्ध था। इतिहास में यह है कि लैटिन अमेरिकी देशों में, फ्रांस के दक्षिण में, इटली और ग्रीस में, मध्य पूर्व और अफगानिस्तान में, भारत और भारत के पूर्व से जापान में, कई ऐसे थे जिन्होंने योग विज्ञान का अनुसरण किया। कभी-कभी लोग भ्रमित होते हैं कि योग आधुनिक पश्चिमी समाज की भौतिकवादी संरचना में कैसे फिट हो सकता है।

औद्योगिक क्रांति से गुजर लिया है। लगता है अपनी अशिष्ट गतिविधियों में ईंसान खुद को भूल गया है। त्रासदी यह है कि केंद्र भूल गया है और परिधि शेष है। मनुष्य सभ्यता का केंद्र है; सभ्यता मनुष्य का केंद्र नहीं हो सकती। संस्कृति केंद्र नहीं परिधि है, समाज केंद्र नहीं परिधि है। मनुष्य केंद्र है क्योंकि उसने परिधि बनाई है। में केंद्र हूँ और मैं न्यूक्लियस हूँ, तुम न्यूक्लियस हो। इन पिछले सदियों में, मनुष्य ने शरीर और मन पर शासन करने वाले कानूनों की उपेक्षा की है। तन-मन जटिल के लिए एक ऐसी स्थिति पैदा नहीं कर पाया है एक समय था जब योग का विज्ञान पूरी दुनिया में लोकप्रिय और प्रसिद्ध था। इतिहास में यह है कि लैटिन



योग से सेहतमंद होगा भारत

प्रभुनाथ शुक्ल

भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है- योग: कर्मसु कौशलम् यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साधन भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि ह्ययोगस्थः कुरु कर्माणिह्व इस्का तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित्त करना है। योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है।

योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए सजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वास्थ्य रख सकते हैं।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर, 2014 को इसका प्रस्ताव भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया।

हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर सुशहल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था।

आपके



ट्वीट



योग हमें स्ट्रेस से स्ट्रेच और निगेटिविटी से क्लिपेटिविटी का रास्ता दिखाता है।

योग हमें अवसाद से उमंग और प्रमाद से प्रसाद तक ले जाता है। - नरेन्द्र मोदी

f

मेरे व्यक्तिगत जीवन में योग ने न केवल शारीरिक रूप से मुझे संतुलित रखा है बल्कि मुझे हर स्थिति से जुड़ने का मानसिक बल भी दिया है। आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। विश्व को भारत की ये भेंट अद्भुत है। जय हिंद - अनुपम खेर, अभिनेता

रांची

में पवित्र जगन्नाथ रथयात्रा में शामिल होने का परम सौभाग्य मिला। भगवान जगन्नाथ आप सभी को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रखें, यही कामना करता हूँ। इस शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएँ और जोहार। जय जगन्नाथ! - हेमंत सोरेन

मानव जीवन में योग का महत्व और योगयुक्त जीवन



योगाचार्य महेश पाल



वर्तमान समय में स्वास्थ्यमय जीवन जीने की पद्धति का नाम योग है बदलती दैनिक दिनचर्या, भोजन में आप बदलाव एवं लगातार कंप्यूटर, सेल फोन, सोशल मीडिया, आदि के उपयोग के कारण दिन-प्रतिदिन हमारे अंदर विभिन्न प्रकार के रोग जन्म ले रहे हैं जिनके कारण बच्चे चिड़चिड़ेपन का शिकार होते जा रहे हैं, युवा नसे के साथ साथ मानसिक तनाव, अवसाद मोटापा, हृदय रोग, अनियंत्रित शारीरिक विकास जैसी समस्याओं से ग्रस्त होते जा रहे हैं।

वहीं महिलाओं में मोटापा, थायराइड, पीसीओडी, डायबिटीज, बीपी जैसे गंभीर रोगों से ग्रस्त होती जा रही है, ऐसी स्थिति में योग हमारे जीवन में लगभग सभी प्रकार की हार्दिक शुभकामनाएं। विश्व को भारत की ये भेंट अद्भुत है। जय हिंद

आपके ट्वीट



योग दर्शन



जीवन का सम्पूर्ण उद्देश्य पूरा हो जाता है, जैसा की हम सब जानते हैं इस बार 21 जून को भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व 9वा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रहा है, प्रतिवर्ष 21 जून का यह दिन वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु प्रदान करता है।

पहली बार यह दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया, जिसकी पहल भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण से की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है; मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है; विचार, संयम और पूर्ण प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह व्यायाम के बारे में नहीं है, लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। प्रधानमन्त्री मोदी जी के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अन्दर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव के लिए सबसे कम सभ्यता का रहा इस बार 9वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 की थीम 'वसुधैव कुटुंबकम् के लिए योग' वसुधैव कुटुंबकम् का अर्थ है- धरती ही परिवार है। इस थीम से तात्पर्य धरती पर सभी लोगों के स्वास्थ्य के लिए योग की उपयोगिता से है मैं वस इतना ही कहना चाहूंगा कि योग को दैनिक दिनचर्या में सामिल करें और स्वयं को स्वस्थ बनाएं अपने परिवार को स्वस्थ रखें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभायें। (लेखक पतंजलि जिला युवा प्रभारी और विमुक्त घुमंतु अर्ध घुमंतु महासंघ इंदौर संभा प्रभारी हैं।)

स्वच्छंद व्यवहार का योग से हठी मन पर नियंत्रण

सुधांशु कुमार

रचनात्मक-उत्पादक कार्य में व्यस्त रहे जो समाज व व्यक्ति के हित में हो। आप किसी की इच्छाओं का दमन नहीं कर सकते। डिक्टेटोरशिप से समाज कुटित होगा। आप खुद को कर्मशील बनाएं। तो फिर ऐसी स्थिति में बारिश तो हो रही होगी, लेकिन कीचड़ न बनेगा। यही बारिश का पानी जीवनदायी जल बन जाता है। वैसे भी काम वासनाओं के अतिरेक से मनुष्य की तृप्ति नहीं हो सकती। लिप्साओं का कोई अंत नहीं है। कुछ समय बाद हृदय फिर चंचल हो जाता है। ये ही कृत्य समाज पर बोझ बन जाते हैं।

सकारात्मकता की दवा दरअसल, बाजार संचालित

इंटरनेट सोशल मीडिया वही सब परसोता है, जिसमें लोग रुचि दिखाते हैं। चिरकाल से यह समस्या समाज में विद्यमान है। यहाँ तक कि ऋषि-मुनि, सिद्ध व देवों के बहकने की तमाम कहानियाँ व वृत्तान्त हैं। हमें जीवन को ऐसी स्थिति में रहते हुए भी पाँजिटिव बनाना होगा। समस्या की जड़ पर प्रहार करें न सिर्फ पत्तों पर। माना शरीर में बुखार है तो गर्म त्वचा पर पानी डालने से ताप न जाएगा। समस्या के जड़ से निवारण के लिये दवा लेनी होगी। गीता में कृष्ण जी कहते हैं कि एक सुंदर अध्यास वैराग्य जैसी शक्ति दे सकता है। मनुष्य का चित हर प्रकार की लिप्साओं में पूरी तरह से लीन हो सकता। किसी इच्छा से उसको हटाने के लिये बड़ी इच्छा दिखानी होगी। जैसे व्यक्ति भगवान

योग ज्ञान

की पूजा कुछ बड़ा पाने के लिये करता है।

विवेक और विकल्प

निस्संदेह, अक्षीलता से जगत का चाव स्वाभाविक मानवीय वृत्ति है। इससे किसी को हटना है तो उस कार्य में लगाया होगा जो इससे अधिक चाव या सुख देता हो। जहाँ तक बच्चों का प्रश्न है तो मार्गदर्शन से बच्चा धीरे-धीरे परिपक्व होगा। उसकी प्राथमिकता बनेगी कि कौन सी इच्छा को पूर्ण करना है। समाज में संतुलन की जरूरत है। बच्चों को एक बार मना करेंगे तो वो दस बार करेगा, उसमें सही-बुरे का बोध पैदा करना होगा। समस्या के समाधान के लिए योग-ध्यान को और गहरा बनाना होगा। बच्चे खूब

मेहनत करें। खुद को हरदम व्यस्त रखें। बच्चे खूब खेलें में भाग लें। परिवार के साथ समय बिताएं। प्रेरक बातें करें। स्थिति पर धीरे-धीरे नियंत्रण होगा

समाधान के उपाय

जहाँ तक इंटरनेट में खुलेपन की बात है तो इसे तब तक स्वीकारें जब तक वो समाज को चोट न पहुँचाए। समस्या के समाधान के लिए सोशल मीडिया व टीवी पर अच्छी सामग्री लाएं। समाधान कंटेंट में नहीं, अच्छे कंटेंट लाने में है। जरूरत है कि अच्छे संगीत बनाएं। अच्छी कहानी पर कार्यक्रम बनाएं। जो भोग कर रहा है उसे खुद का नुकसान नजर नहीं आता। जब टीवी पर रामायण आई तो पूरे भारत ने आनन्द लिया। सब काम छोड़कर टीवी पर बैठें। अच्छे

कंटेंट चित को लुभाता है। जन्म से कोई राक्षस नहीं होता। परवरिश महत्वपूर्ण होती है। बताना जरूरी है कि वे चित्त व समय का नुकसान कर रहे हैं। सवाल ये है कि उन्हें कैसा भोजन दे रहे हैं। युवाओं को बताएं कि सार्वजनिक जीवन में व्यवहार मर्यादित होना चाहिए। परिवार संस्था की गरिमा बनी रहे। वैवाहिक संस्था व सामाजिक मूल्यों को चैलेंज की घटनाएँ चिर काल से हैं। सरकार जन कल्याण के लिये बहुत कुछ करती है।

लेकिन समाज में अशांति फैलाने वाले लोगों के लिये जेल भी बनाती है। दुनिया में आठ बिलियन आदमी रहते हैं फिर भी पृथिवी शांत रहती है। हम सोशल मीडिया डिटॉक्स करते रहें तो यही धरती स्वर्ग लगेगी।

संस्थापक

स्व. डॉ. अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए

मुद्रक, प्रकाशक
मंजु सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोडैया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक

अविनाश ठाकुर*

फोन : 94313-55233

पिन:-834006

e-mail

Khabarmantra.city@gmail.com

R.N.J.No.

JHAHM/2013/51797

*पीआरवी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

खरीददों की लगी रही लंबी लाइन

भंडरा (लोहरदगा)। रथ यात्रा मेले में घरेलू उपयोग के सामान से लेकर कृषि सामग्री, सुरक्षा, फैशन सामग्री, मिठाई, खिलौना की दुकानें सजी हुई थी। बच्चों के मनोरंजन के लिए टावर झूला, ड्रैगन ट्रेन, हार्स राइडिंग, चित्रहार, मौत कुआ, बिजली झूला, टोरा-टोरा आदि लगे रहे। जिसका लोगों ने जमकर आनंद उठाया। मेला में रोजमर्रा में प्रयोग होने वाले पारंपरिक सामान आसानी से मिल रहे हैं। यहां झारखंड, बिहार, बंगाल आदि क्षेत्र से व्यापारी आए हुए हैं।

सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम

भंडरा। ऐतिहासिक रथ यात्रा मेले को लेकर प्रखंड व पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया था। मेले में जगह-जगह पुलिस बल तैनात किये गये थे। थाना प्रभारी गौतम कुमार,अवर निरीक्षक विकास कुमार विश्वकर्मा एवं सभी पुलिस पदाधिकारी मेले में शांति व्यवस्था को लेकर मेले का नजर बनाये हुए थे। वहीं मेला आयोजन समिति द्वारा मेला में जगह जगह वॉलिनटियर तैनात किया गया था।

डॉपिंग यार्ड पर भाजपा की चुप्पी दुखद

लोहरदगा। कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि, शहर के सघन आबादी में स्थित हिंडालको का बाक्साइड डॉपिंग यार्ड को हर हाल में आबादी से दूर स्थानांतरित होनी चाहिए। इसके लिए विधानसभा में प्रश्न उठाया था। कृषि मंत्री बालू पत्र लेख ने मार्च माह तक इसे हटाने का भरोसा दिया था बावजूद, स्थिति यथावत है। डॉपिंग यार्ड को हटाने के लिए भाजपा को भी जवाबदेही से पहल करनी चाहिए। डॉपिंग यार्ड से हो रहे जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ पर भाजपा मौन रहती है। जन सरोकार से जुड़े मामले भाजपा नहीं उठाती है।

गोलीबारी में बाल-बाल बचा युवक

लोहरदगा। सदर थाना क्षेत्र के वीएस कॉलेज के समीप दिनदहाड़े युवक को पुलिस का स्प्राई कहते हुए दो अपराधियों ने गोली चला दी। बीच बचाव के दौरान गोली युवक की बांह में लगकर फंस गयी। गोलीबारी के बाद युवक को चारू से भी वाह कर घायल कर दिया। जिससे बांह बुरी तरह फ्रैक्चर हो गयी है। घटना के बाद पुलिस और आसपास के लोगों ने घायल अभिषेक साहू को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया है। बसार टोली का अभिषेक जिला न्यायालय में ड्राइवर है। गोली मारने वाली की पहचान लोहरदगा के ही लाल रीशन नाथ शाहदेव और राजन महतो के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस दोनो अपराधियों के धड़ पकड़ में जुटी हुई है जल्द ही दोनो अपराधियों की गिरफ्तारी की जायेगी। पूरे मामले पर सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बताया की शहरी क्षेत्र के वीएस कॉलेज के समीप गोलीबारी की घटना हुई है जिसमें एक युवक घायल है पुलिस द्वारा टीम गठन कर अपराधियों की धड़ पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की जायेगी।

ट्रक-ट्रेक्टर की भिड़ंत में दो लोग घायल

गुमला। गुमला मुख्यालय से पांच किमी दूर बाईपास सड़क में अहले सुबह ट्रक व ट्रेक्टर ने जोरदार टक्कर हो गयी। जिसमें दुर्घटना में दो लोग घायल हो गये। घायलों में ट्रेक्टर चालक अरमई बेहराटोली निवासी 18 वर्षीय बिदेश्वर उरांव सहयोगी तिराटोली निवासी 35 वर्षीय हेमंत मिंज गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों की देखरेख में दोनों घायल का इलाज जारी है।

सर्पदंश से युवक की मौत

गुमला। झाड़-फूंक व अंधविश्वास ने फिर से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गुमला जिला के घाघरा थाना क्षेत्र के दीपाटोली निवासी लासु उरांव का 20 वर्षीय पुत्र जितेंद्र उरांव सर्पदंश से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के परिजनों ने बताया कि देर रात काफी गर्मी होने के कारण युवक आंगन में सो गया। जहां सुबह 3:00 बजे उसे एक सांप ने उस लिया। जिसे परिजन गांव के एक ओझा के पास ले जाकर झाड़ फूंक कराते रहे। वही स्थिति गंभीर होने पर परिजन तत्काल घाघरा उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां स्थिति की गंभीर को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वही परिजन सुबह 7:00 बजे सदर अस्पताल गुमला लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया जिसे आधे घंटे के अंदर युवक की मौत हो गई। इस घटनाक्रम से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही डॉक्टर ने बताया कि जैसा कि परिजन बता रहे हैं सुबह 3:00 बजे युवक को सांप ने काट लिया। अगर समय रहते सदर अस्पताल लाया जाता तो युवक की जान बच सकती थी।

बरटोली में कांग्रेसियों ने की बैठक



गुमला। सदर प्रखंड के फसिया पंचायत के बरटोली में ग्राम वासियों की हुई साप्ताहिक बैठक में जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष विष्णु राम और महासचिव राजीव रंजन शामिल हुए। बैठक में ग्रामीणों ने मूल रूप से प्रधानमंत्री आवास, नाली, रोड, विद्युत पेशन, वृद्धा पेंशन की मांग करते अपनी समस्याओं से कांग्रेसी नेता को अवगत कराया। जिला उपाध्यक्ष विष्णु राम ने कहा कि आप सभी समस्याओं को लिखित आवेदन में दे। मैं आगे की कार्रवाई करते हुए अपने पार्टी स्तर से संबंधित पदाधिकारी से बात करूंगा और इसे निदान कराने की कोशिश करूंगा। मौके पर महासचिव राजू रंजन महतो ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी कल्याणकारी योजनाओं को विस्तार से ग्रामीणों को समझाया और इनका लाभ लेने को कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आप सभी ग्रामीणों के साथ है और हम सभी मिलकर इस समस्या को दूर करने में तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे ही स्थिति गुमला के नजदीक करौंदी नायक बस्ती की थी हम लोगों ने बैठक कर ग्रामीणों ने जिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष के सामने बात रखें और उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों के सामने बात रखकर आज उस गांव की पदा में सुधार कराया। आपकी वकालत पार्टी स्तर पर रखी जाएगी और आपकी समस्या का निदान किया जायेगा। बैठक में कोशल्या देवी, नीलू देवी, चांदनी देवी, मौना देवी, भुवनेश्वर राम पवन राम, मनोज राम, पप्पू राम थे।

भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए उमड़ा आस्था का जनसैलाब

- भगवान जगन्नाथ, हाइन सुभद्रा व भाई बलराम पहुंचे मौसी बाड़ी
- मंदिर में पूजा अर्चना के लिए लगा रहा भक्तों का तांता, रथ खींचने के लिए आतुर दिखे श्रद्धालु
- पूजा अर्चना कर लोगों ने मनोकामना पूर्ति का मांगा वरदान

खबर मन्त्र टोली

गुमला। गुमला जिला के विभिन्न स्थानों पर मंगलवार को रथ यात्रा सह मेला का आयोजन किया गया। रथ में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलराम को धार्मिक अनुष्ठान के साथ स्थापित कर मौसी बाड़ी पहुंचाया गया। मंगलवार को अहले सुबह से ही करौंदी व नागफेनी मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी थी। गुमला के करौंदी में पूजा अर्चना



भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना करते लोग और पूजा के लिए लगी भक्तों की कतार।

के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। अहले सुबह से ही भक्त मंदिर परिसर पूजा अर्चना करने पहुंचे थे। भक्तों द्वारा भगवान को नारियल, बतसा, इलाचइची, दाना आदि प्रसाद के रूप में चढ़ाया। सुबह से लेकर शाम तक भक्तों का तांता मंदिर परिसर में भगवान के दर्शन के लिए लगे रहे।

भक्तों ने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि व अच्छी बारिश की कामना की। नागफेनी में साढ़े चार बजे भगवान की रथ यात्रा निकाली गई। हजारों लोगों ने रथ खींचकर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलराम को मौसी बाड़ी पहुंचाया। रथ खींचने

के लिए लोग काफी उत्सुक व आतुर दिखे। बच्चा, बूढ़ा, जवान व महिलाएं भी रथ खींचने से पीछे नहीं रहे। वहीं गुमला के करौंदी में शाम साढ़े पांच बजे रथ यात्रा निकाली गयी। मंदिर परिसर से पूजा-पाठ के साथ भगवान की प्रतिमाओं को रथ तक लाया गया। जिसके बाद महाआरती व

शंखनाद किया गया और हजारों भक्तों ने रथ को अपने पवित्र हाथों से खींचकर मौसी बाड़ी पहुंचाया। दुर्मडीह जगन्नाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। शाम में रथ यात्रा मंदिर परिसर से निकाली गयी। मेला में जमकर लोगों ने स्वादिष्ट



मिठाइयों की खरीददारी की तो चाट फुंके का जमकर लुफ्त भी उठाया। कोरोना काल के दो वर्ष बाद रथ यात्रा निकालने जाने से भक्तों में काफी खुशी देखी गई। इसके अलावे जिले के बंसिया, चैनपुर, जारी, डुमरी, रायडीह, घाघरा, पालकोट, सिसई, भरनो आदि प्रखंडों में भी रथ मेला का आयोजन किया गया।

चुनावी मोड़ में कांग्रेस, लोहरदगा सीट जीतने का दावा शीघ्र हटा दिये जायेंगे कांग्रेस के निष्क्रिय पंचायत अध्यक्षः बंधु तिर्की

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा लोकसभा और विधानसभा सीट हर हाल में कांग्रेस पार्टी जीतेगी। इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसको लेकर कांग्रेस संगठन पूरी तरह चुनावी मोड़ पर आ गया है। उपरोक्त बातें प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने सोमवार को स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा। पूर्व विधायक सह कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा, कांग्रेस संगठन का प्रखंड और पंचायत



प्रेस वार्ता में मौजूद बंधु तिर्की व अन्य।

कमेटी मजबूत और सशक्त होना जरूरी है। प्रखंड और पंचायत कमेटी में समन्वय होने से मजबूत और ठोस बूथ कमेटी बनेगी। सशक्त बूथ कमेटी के माध्यम से लोकसभा और विधानसभा सीट कांग्रेस हर हाल में जीतेगी। बंधु तिर्की

खास बातें : बंधु तिर्की ने कहा, वर्तमान में कांग्रेस कमेटी की स्थिति को समीक्षा के लिए कुड़, किस्को, पेशार, भंडरा आदि प्रखंड और इसके पंचायत में जाकर कांग्रेस कमेटी की समीक्षा कर रहा हूं। प्रखंड और पंचायत कमेटी के एक एक कांग्रेस जन से सीधी बात कर रही हूं। इस माध्यम से पंचायत की समस्याओं को भी चिन्हित किया जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष को भी नांव की महत्वपूर्ण समस्याओं की सूची बनाने का निर्देश दिया गया है।

अध्यक्षों को बदल दिया जायेगा। जमीनी स्तर पर निष्क्रिय रहने वाले कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों का

लोहरदगा में योग दिवस को योग महोत्सव के रूप में मनायेंगे पतंजलि के योग शिक्षक

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर पतंजलि योग समिति भारत स्वामिमान न्यास की लोहरदगा इकाई द्वारा लोहरदगा मुख्यालय के साथ साथ प्रखंड मुख्यालयों में भी आयुष विभाग द्वारा जारी प्रोटोकॉल के तहत योग का अभ्यासक्रम कराकर तैयारी की गयी है। इसके लिए पतंजलि द्वारा

प्रशिक्षित योग शिक्षक शिक्षिकाओं के आयुष विभाग द्वारा भी आयुष ग्राम अन्य स्थानों में योग महोत्सव के रूप में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारियों की गयी है। जिसके तहत कोर्ट परिसर में भारत स्वामिमान न्यास के जिला प्रभारी प्रवीण कुमार भारतीय, पतंजलि के राज्य कार्यकारिणी सदस्य सह जिला संरक्षक शिव शंकर सिंह पेशरार के मुंगे ग्राम में,

■ पतंजलि, आयुष विभाग, अर्थात् वल समेत कई संगठनों ने की है व्यापक तैयारियां

■ युवाओं में योग के प्रति देखी जा रही है विशेष उत्साह, योग दिवस पर आज कई जगह होंगे कार्यक्रम

पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी अभय भारती घाघरा के ग्रामों में, पतंजलि के युवा प्रभारी अंकित अग्रवाल, योग शिक्षिका प्रियंका साहू, युवा योगी खुशी भारती, माही जिला

मुख्यालय में बहुदेशीय भवन में वरीय योग शिक्षक संजय मधु लोहरदगा प्रखंड कार्यालय के समीप, योग शिक्षक निर्भय भारती, शिवराज विजय महतो के नेतृत्व में कुड़ व आयुष ग्राम टाटी में, लोहरदगा हेल्थ जेड वेलनेश सेंटर में आयुष प्रियांशु, कैरो में वरीय योग शिक्षक गणेश शास्त्री व भोला साहू, सेन्हा में विजय सोनी, सलगी चांपी में अजय कुमार व मार्गदर्शक के

रूप में वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी कृपा प्रसाद सिंह, भंडरा में दिनेश प्रजापति, रेलवे स्टेशन लोहरदगा में बासुदेव महतो, गुरुकुल शांति आश्रम में आचार्य शरच्चंद्र आर्य द्वारा योग महोत्सव की अयुवाई करेंगे। आर्यवीर दल के नेतृत्व में भी दर्जनों ग्रामों में बालवाड़ी संचालित स्थलों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारियां की गयी हैं।

रथयात्रा: भक्तों ने मेला टांडू से मौसी बाड़ी तक पहुंचाया रथ

खबर मन्त्र संवाददाता

कैरो। प्रखंड क्षेत्र के एकमात्र हनहट में मंगलवार को धूमधाम के साथ रथयात्रा का आयोजन हुआ। सुबह से ही बाजार टांडू स्थित भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा के प्रतिमा में भक्तों ने फूल, अक्षत व प्रसाद के साथ पूजा अर्चना कर अपनी अपनी प्रार्थना की। जिसके बाद देर शाम रथ में विराजमान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा को विठाकर सुकड़ों की सख्या में जय जगन्नाथ की महामंत्रों के साथ घण्ट, संघ, नगाड़ो को धुन के साथ भक्तों द्वारा ब्राह्मण टोली



स्थित मौसी बाड़ी लाया गया। जिसे पुनः नौ दिनों पर घूरी रथ के दिन वापिस किया जाएगा। इस अवसर पर खरता, हनहट, गितिलगढ़, ककरगढ़, इट्टा, बड़मारा, तोडांग, टाटी, मेलानी सहित कैरो प्रखंड के अलावे भी चान्ही, कुड़ सहित दूर दूर से भक्त पहुंचकर रथ यात्रा में शामिल हुए व रथ की रस्सी को एक बार छूकर धन्य महसूस किया।

चैनपुर के दुर्गम क्षेत्र कतारी कोना में आम जनता ने सुनायी समस्याएं

जनता दरवार

खबर मन्त्र संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के ग्राम पंचायत मालम के अति दुर्गम क्षेत्र कतारी कोना में उपायुक्त के निदेशानुसार प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। कतारी कोना शहरी क्षेत्र से बेहद दूर इलाके में अवस्थित है जो की एक दुर्गम इलाका है। जहां अधिकतर आदिम जनजातीय समुदाय निवास करते हैं। क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के निवारण करने के उद्देश्य से लगाए गए जनता दरबार को



जनता दरबार में समस्या सुनते बीडीओ।

उक्त ग्राम निवासियों की समस्याओं को बीडीओ ने ध्यान पूर्वक सुना। ग्रामीणों द्वारा सर्मापित आवेदनों को संबंधित विभाग को अग्रसारित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ पानी, कृषि

कार्य हेतु उन्नत बीज, प्रसव संबंधित समस्याओं को दूर करने जैसे विभिन्न समस्याओं से प्रखंड विकास पदाधिकारी को अवगत करवाया। इस दौरान 200 से अधिक ग्रामीणों ने अपना आवेदन सर्मापित कर पदाधिकारी को

खास बातें : उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा पेशियारी को पी.पी.ओ वितरण एवं रानी बीज का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित लोगों के लिए भोजनादि की भी व्यवस्था करते हुए दिन भर के जलसुबहई कंप को संपन्न किया गया। कार्यक्रम में बुधिया, रघु से मालम पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, प्रखंड सह अंचल कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

गांव के समस्याओं के विषय में जानकारी दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने शालीनता पूर्वक ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं कुछ समस्याओं का ऑन द स्पॉट निवारण किया।

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। प्रखंड में मंगलवार को ऐतिहासिक रथयात्रा मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथरूढ़ होकर मौसीबाड़ी पहुंच गए। बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के रथ को खींचकर आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह ही श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन के लिए मंदिर के कपाट खोल दिया गया था। सबसे ज्यादा आकर्षण भगवान जगन्नाथ का फूलों से सजाया गया रथ था।



भगवान का रथ खींचते भक्त।

रथ की सजावट से लोग मंत्रमुग्ध थे। रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के हरि बोल-हरि बोल के उद्घोष से पूरा माहौल गूंज रहा था। रथयात्रा टाकुरबाड़ी से शुरू होकर अखिलेश्वर धाम स्थित मौसीबाड़ी पहुंचकर संपन्न हुई।

खास बातें : रथयात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के मजल और जयकरता सुनकर भाव विभोर हो रहे थे। मौसीबाड़ी में भगवान को दिवां तक विश्राम कर राजाना भक्तों को अपने अलब-अलन रूपों में दर्शन देंगे। इसके बाद फिर से भगवान रथ में सवार होकर ठाकुरबाड़ी लॉटंते। रथयात्रा मेला में भंडरा, लोहरदगा, कुड़, सेन्हा, कैरो के अलावा गुमला व रांची के विभिन्न गांवों के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। स्थानीय प्रखंड व पुलिस प्रशासन एवं दूर-दर्राज से आए श्रद्धालुओं के साक्ष्य मिलकर रथ खींचते हुए मौसीबाड़ी तक ले गये। मौके पर राधानोहन शर्मा, किशोरी शर्मा, ईश्वरी मोहन शर्मा, राजू शर्मा, डीएफपी परमेश्वर प्रसाद,बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा, सीओ दिनेश प्रसाद गुप्ता, विभागाध्यक्ष पाठक, अच्युतानंद मिश्रा, दिगंबर मिश्रा, श्रीधर पाठक, विवेकानंद मिश्रा, अवंशेश महंती सहित काफी संख्या में भक्त जगम मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

युवती ने फांसी

लगाकर की आत्महत्या

कोडरमा। थाना क्षेत्र अंतर्गत इंदरवा निवासी 18 वर्षीय राधा कुमारी पिता राजू विश्वकर्मा ने सोमवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं मृतिका के पिता राजू विश्वकर्मा ने बताया कि रात को खाना खाकर अपने अपने कमरे में चले गये। सुबह जब कमरे में जाकर देखा तो फांसी पर लटकी थी। जिसके बाद हमलोगों ने पुलिस को खबर किया। वहीं फांसी की सूचना पाकर कोडरमा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं पुलिस इस मामले की अन्य पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

एनटीपीसी अस्पताल मे रक्तदान शिविर



टंडवा। सीआईएसएफ यूनिट एनकेएसटीपीपी टंडवा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जहां प्लांट के सीजीएम तजिंदर गुप्ता और सहायक कमांडेंट विकास प्रसाद और इकाई के वरिष्ठ सदस्यों ने संजीविनी हॉस्पिटल में रक्तदान किया। इस मौके पर निरक्षकअर्जुन राजेश दुबे, उप निरक्षक मुकेश शर्मा और उप निरक्षक संदीप कुमार ने भी रक्तदान किया।

दो अभियुक्त को पुलिस ने भेजा जेल

मझिआंव। पुलिस ने दो अभियुक्त को अलग-अलग केस कांडों में मंगलवार को गिरफ्तार कर गढ़वा जेल भेज दिया गया। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो ने बताया कि बरडीहा थाना क्षेत्र के सेमरी गांव निवासी कामेश्वर राम एवं दूसरा अभियुक्त कांडी थाना क्षेत्र के मझिगांवा गांव निवासी सुरेश यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, वे दोनों अभियुक्त काफी दिनों से फरार चल रहे थे।

डीएवी में योग दिवस को लेकर पूर्वाभ्यास



भवनाथपुर। डीएवी भवनाथपुर में मंगलवार को नए प्रचारार्थ राजेंद्र संवदेवा तथा सीसीएफ इंचार्ज सजय राय भट्ट और अरुण सिंह के निर्देशन में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर प्रचारार्थ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस से संबंधित जो भी प्रोटोकॉल सरकार के द्वारा जारी किया गया है वे सारे प्रोटोकॉल को पूरा किया जाएगा। मौके पर शिक्षक ओपी सिंह, शोकेत अली, सूरज सिंह, जे एस तिवारी एवं अन्य शिक्षक मौजूद थे।

वज्रपात से मवेशी मरा, मुवाबजे की मांग

सिमरिया। सिमरिया प्रखंड के सलगी टुंडगा गांव निवासी विकास सिंह का एक बैल की मौत मंगलवार की शाम वज्रपात से हो गई है। पीड़ित किसान ने कहा की बरसात की मौसम आ गई है। मैं किसान हूँ खेती बाड़ी कर अपने जीविकोपार्जन करता हूँ और अपने परिवार का भरण पोषण करता हूँ। इस तरह की घटना हो जाने से अब हमारे परिवार की बीच काफी समस्या उत्पन्न हो गई है। शुकुत्तोगी ने प्रशासन से मुवाबजे की मांग किया है।

बारह ज्योतिर्लिंगों के पैदल यात्रा पर निकला कोलकाता का स्वदेश

कोडरमा। बारह ज्योतिर्लिंगों के पैदल यात्रा पर निकला कोलकाता उत्तर परगना का 26 वषीय स्वदेश विश्वास पिता सतेंद्र नाथ विश्वाश ने बताया की मैं दो जून से यात्रा की शुरुआत उत्तर परगना, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल से किया। जिसके बाद वहीं ज्योतिर्लिंग बाबा बैजनाथ धाम देवघर में दर्शन कर कोडरमा ध्वजाधारी धाम पहुंचा। जिसके बाद मध्यप्रदेश में महाकालेश्वर, गुजरात सोमनाथ नागेश्वराम, आंध्रप्रदेश मल्लिकार्जुन व अंतिम उत्तराखंड में केदारनाथ का दर्शन कर यात्रा समाप्त करेंगे।

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। जयनगर निवासी फल विक्रेता बबलू मोदी के मौत का खुलासा किया है। मंगलवार को प्रेसवार्ता आयोजित कर पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि बबलू मोदी की हत्या नहीं बल्कि उसने आत्महत्या किया था और इसके लिए उसकी पत्नी ने उसे उत्तेरित किया था। एसपी ने कहा कि मृतक का शव बीते 30 अप्रैल को चंदबारा थाना क्षेत्र के पिपराडीह रेलवे स्टेशन के दो नम्बर लाइन से बरामद किया गया था, मामले को लेकर मृतक के पिता रामचंद्र मोदी

जमीनी विवाद : मारपीट में दो महिला घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। थाना क्षेत्र अंतर्गत रपूरा गांव में दो घरों में आपसी विवाद में जमकर मारपीट हुई। जिसमें दो महिला एवं एक आठ वर्षीय बच्चा घायल हो गया। मारपीट के बाद स्थानीय ग्रामियों के सहयोग से 108 एंबुलेंस बुलाकर पहले पक्ष की घायल महिला सचिन पांडेय की पत्नी चांदनी देवी 32 वर्ष और पुत्र पीयूष पांडेय आठ वर्ष को मझिआंव रेफरल अस्पताल लाया गया। जबकि दूसरे पक्ष की घायल महिला मनोज कुमार पांडेय की पत्नी गुंजा देवी 26 वर्ष को उसके परिजनों द्वारा अस्पताल लाया गया। प्राथमिक चिकित्सा के बाद गंभीर रूप से घायल चांदनी देवी को बेहतर चिकित्सा के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में पहले पक्ष की घायल महिला चांदनी देवी ने बताया कि उनके घर के आगे उनके कब्जे में गैरमजरूआ भूमि है जिसे

घरेलू विवाद में युवती की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

डोमचांच (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत घरवरियाबर स्थित वार्ड नम्बर एक में मंगलवार को एक युवती की मौत हो गई। जिसकी पहचान सुमित्रा देवी पति सोनू यादव घरवरियाबर के रूप में की गई है। सुमित्रा देवी की मौत के बाद सभी परिजन फरार हो गये। आस-पास के ग्रामीण युवती की हत्या किये जाने की आशंका जता रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी प्रवीण पुष्कर, डोमचांच थाना प्रभारी अब्दुल्ला खान अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लिये। वहीं मृतका के मामा मनोज यादव ने बताया कि हमारी भांजी सुमित्रा देवी के साथ इसका पति हमेशा मार-पीट करता था। इस संबंध में कई बार पंचायत भी हुआ था। वहीं 13 जून को भी पंचायत हुआ था, जिसमें सोनू कुमार यादव ने पंचायत में कहा था कि अब मार पीट नहीं करेंगे, लेकिन एक सप्ताह के भीतर हमारी भांजी की मौत हो जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि हमारी भांजी को मार दिया। वहीं सुमित्रा देवी की मौत के बाद सभी परिजन घर में ताला लगाकर फरार हो गए। मृतका के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। युवती का विवाह 2015 में हिन्दु रीति रिवाज से हुआ था। वहीं डोमचांच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया।

खपरैल मकान में अचानक लगा आग, जले सामान

टंडवा(चतरा)। थाना क्षेत्र के ग्राम कुडलोंगा में खपरैल मकान में अचानक आग लगने से मकान जल कर राख हो गया कुडलोंगा के दलित परिवार देहवा भुइयां के घर में रखे अनाज कपड़ा जलकर राख होगा है। पीड़िता परिवार ने प्रखंड प्रशासन से मुआवजा व आर्थिक सहयोग का आग्रह है सराढ़ पंचायत के कुडलोंग गांव के ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया गया इस भीषण गर्मी के दिन पानी के किल्लत की वजह दलित परिवार का घर जल कर राख हो गया है। यह घटना बीते रात्रि की बताया गया है। इस बाबत स्थानिय अंचल वा थाना को लिखित आवेदन दिया गया है।

सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर करेंगे पेट और गैस सम्बन्धी बीमारी का इलाज

गढ़वा। क्लीनिक ऑन स्क्रीन गढ़वा जैसे पिछड़े इलाके में सुपर स्पेशलिटी डॉक्टर को बुलाकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा का बड़ा कार्य कर रहा है। इसके इस प्रयास से दूर दराज के लाचार एवं गरीब मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। इसी कड़ी में रांची के पल्स सुपर स्पेशलिटी एवं पारस हॉस्पिटल के कंसल्टेंट सुप्रसिद्ध हैस्ट्रोएंट्रोलाजिस्ट गोड्ड मंडलिस्ट डा. आदित्यवर्द्धन सिंह शनिवार यानी

मानवाधिकार जन निगरानी समिति ने पीड़ितों को किया सम्मानित

खबर मंत्र संवाददाता

कोडरमा। मानवाधिकार जन निगरानी समिति वाराणसी के द्वारा मंगलवार को झरखी विशुनपुर में लोक विद्यालय का आयोजन कर पीड़ितों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि समाजसेवी कृष्णा सिंह घटवार मुख्य रूप से उपस्थित थे। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा की हमारे गांव में 11 जनवरी 2023 को बिहार पुलिस द्वारा घर में घुस कर किये गए मार पीट और छेड़ छोड़ करने की घटना को अंजाम दिया गया, घटना काफी शमनांक और निंदनीय रहा। इस मामले में हमारे

पुलिस ने बबलू मोदी मौत का किया खुलासा

आत्महत्या के लिए पत्नी को प्रताड़ित किया: एसपी

के आवेदन पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था, कांड संख्या 32/23 में दर्ज मामले में मृतक के पिता ने अज्ञात लोगों के द्वारा उसके पुत्र की हत्या कर शव को पटरी पर फेंक देने का आरोप लगाया था, साथ ही दर्ज मामले में पीसीआर में प्रतिनियुक्त पुलिस कर्मी आदित्य शर्मा के द्वारा बबलू मोदी के मोबाइल पर अंतिम कॉल करने की बात कही गयी थी, मामला दर्ज होने के बाद एसपी ने एसडीपीओ प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर मामले की जांच करने का निर्देश दिया था। घटना के करीब डेढ़ माह बाद

पुलिस ने मामले की खुलासा करते हुए बताया की बबलू की हत्या नहीं बल्कि उसने आत्महत्या किया था और इसके लिए उसकी पत्नी ज्योति देवी ने उत्तेरित किया था। घटना के दिन मृतक शराब पीकर घर आया था, मगर उसकी पत्नी झगड़ा कर उसे घर घुसने नहीं दिया था, जिससे नाराज होकर वह पिपराडीह स्टेशन चला गया और वहां ट्रेन के झटके से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। एसपी ने बताया कि उसकी पत्नी फोन पर अन्य लोगों से बात करती थीं, जिसके कारण दोनों के बीच प्रार्थः झगड़ा होते रहता था, इसी बात को लेकर मृतक पूर्व के

वर्षों में भी दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। एसपी ने बताया कि बबलू मोदी की मौत के बाद पुलिस कई कोनों से छानबीन किया, मामले को लेकर ट्रेक से गुजरने वाले मालगाड़ी और यात्री ट्रेन के चालक, गार्ड व रेलवे कर्मियों व अन्य लोगों से भी पूछताछ की गई, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, आस पास के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य के आधार पर पाया गया कि बबलू मोदी की हत्या नहीं बल्कि उसने आत्महत्या किया था, एसपी ने बताया कि बबलू मोदी की हत्या का आरोप पुलिस कर्मी आदित्य शर्मा पर लगाया गया था,

परन्तु अनुसंधान में यह साबित नहीं हुआ, जांच में पता चला कि बीते 29 अप्रैल को मृतक और पुलिस कर्मी आदित्य शर्मा दोनों होटल में शराब का सेवन कर दोनों अपने अपने घर चले गए थे और रात्रि में उक्त पुलिस कर्मी ने बबलू मोदी को फोन कर यह पूछा था कि वह घर पहुंच गया या नहीं, उक्त फोन को मृतक की पत्नी ने रिसीव किया था, इसकी पुष्टि मृतक की पत्नी ने की है। एसपी ने बताया कि अनुसंधान के दौरान एक भी साक्ष्य ऐसा नहीं मिला, जिससे प्रतीत हो कि बबलू मोदी की हत्या नहीं रहती थी।

मुख्यमंत्री को तख्ती दिखाकर जमीन बचाने को लगाया गुहार



गैरमजरूआ जमीन को रैयती मान्यता को लेकर मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

सिमरिया। 19 जून को मुख्यमंत्री आगमन पर शिवपुर कठौतिया रेल लाइन किसान संघर्ष समिति के बैनर तले किसानों ने कयार बाद होकर मुख्यमंत्री को तख्ती दिखाकर गैरमजरूआ जमीन को रैयती मान्यता को लेकर मांग किया है। शिवपुर कठौतिया न्यू बीजी रेल लाइन के लिए अधिग्रहित

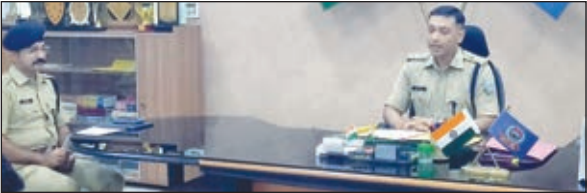
गैरमजरूआ जमीन का अधिग्रहण बिना मुआवजा भुगतान के किया जा रहा है। शिवपुर कठौतिया न्यू बीजी रेल लाइन और भारतमाला परियोजना के प्रभावितों द्वारा संयुक्त रूप से बने वाम मोर्चा के बैनर तले मुख्यमंत्री का स्वागत और ध्यान आकर्षित कराने को लेकर साथ ही अपने मांग से संबंधित बैनर और तख्ती दिखाया है। जिसे लेकर हंटगंज के बिहार सिवान से सिमरिया के बिरहु तक के प्रभावित किसान शांतिपूर्ण तरीके से यह कार्यक्रम किया है।

पत्नी और पुत्र ने हत्या कर,

आत्महत्या का दिया था रूप : एसपी

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। थाना क्षेत्र अंतर्गत बरसोतियाबर में बीते 17 जून को 55 वर्षीय विनय पांडेय के आत्महत्या किये जाने के मामले का पुलिस ने हैरतअंगेज खुलासा किया है। प्रेसवार्ता आयोजित कर एसपी कुमार गौरव ने बताया कि बरसोतियाबर निवासी 55 वर्षीय विनय पांडेय ने आत्महत्या नहीं किया था, बल्कि मृतक की पत्नी वीणा देवी और पुत्र बिट्टू पांडेय ने गला दबा कर पहले हत्या किया था, उसके बाद उसके शव को पेड़ से लटका आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया था, बाद में शव को आनन फानन में वहां से हटा कर अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही थी, हालांकि पुलिस की तत्परता के कारण मामले का खुलासा हो गया। वहीं एसपी ने बताया मृतक विनय पांडेय टेम्पू चालक था और प्रतिदिन



जानकारी देते एसपी

शराब पीकर घर में पत्नी के साथ मारपीट करता था, घटना के दिन भी वह टेम्पू चलाकर रात को शराब पीकर घर आया और अपनी पत्नी के साथ गली गलौज करते हुए मारपीट कर रहा था, जिसका बीच बचाव उसके मझले पुत्र बिट्टू पांडेय ने किया, इसी दौरान दोनों के बीच मारपीट हो गयी, बाद में पड़ोसियों ने बीच बचाव का मामला शांत कराया, रात में जब सब लोग सो गए तो पुनः विनय पांडेय पत्नी और बेटे के साथ गली गलौज करते मारपीट करने लगा, जिससे मां पुत्र ने गुस्से में आकर रस्सी से गला घोट कर उसकी हत्या कर दिया और साक्ष्य

मिटाने के उद्देश्य से घर के बगल स्थित पेड़ में रस्सी से सहारे शव को लटका कर आत्महत्या का रूप दिया। एसपी ने बताया कि बीते 17 जून को जब बरसोतियाबर निवासी विनय पांडेय द्वारा पेड़ से लटक कर आत्महत्या करने का जानकारी मिली तो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेजा और अनुसंधान शुरू किया, जांच में पूरी सच्चाई आने के बाद घटना के दुसरे दिन आरोपी पत्नी और पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मौके पर एसपी के अलावे एसडीपीओ प्रवीण पुष्कर, थाना प्रभारी द्वारिका राम आदि मौजूद थे।

एक नजर में

बिजली लचर व्यवस्था के लिए दोषी अफसरों को बर्खास्त किया जाए: सईद नसीम

कोडरमा। जिले में बिजली की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है, बिजली जनजीवन की मुख्य जरूरतों में है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों के निर्देश के बाद भी आम जनता को विद्युत नियमित नहीं मिल पा रहा है। यह चिंता का विषय है कि अधिकारी माननिर्वां की बातों को कितनी गंभीरता से लेते हैं। उक्त बातें कांग्रेस नेता सईद नसीम ने बयान जारी कर कहा कि पिछले कुछ दिनों से अंधाधुंध बिजली कटौती से सम्पूर्ण जिला अंधकार में समाता नजर आ रहा है। जिसका आम जनजीवन पर व्यापक असर देखा जा रहा है, गर्मी के मौसम में इस तरह बिजली की आंध मिचेली से लगता है। जहां जनता को मुख्य जरूरत (बिजली) को नहीं मिल पा रही है। वहीं उन्होंने कहा वर्तमान विधायक व सांसद अपनी सरकार की उपलब्धि गिनाने में व्यस्त है। वर्तमान में इसकी चिंता ना सम्बन्धित विभाग ना स्थानीय जनप्रतिनिधि, विधायक, सांसद को है। वहीं उन्होंने बिजली लचर व्यवस्था के लिए दोषी अफसरों को बर्खास्त करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि अगर विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं होती है, तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

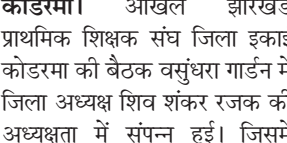
चतरा। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा मंगलवार को धूमधाम से निकली गई। एसपी राकेश रंजन ने रथ का रस्सा खिंचकर रथयात्रा का शुभारंभ किया।



रथ यात्रा के दौरान भगवान के दर्शन व पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी पड़ी। जगह-जगह रथ को रोक कर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। इससे पूर्व स्थानीय पथलदास मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलराम व बबन सुभद्रा की विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान को रथ पर बैठाकर यात्रा के लिए रवाना किया। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भगवान जगन्नाथ के जयकारे भी लगाए जा रहे थे। रथ यात्रा पथलदास मंदिर से निकलकर पुराना पेट्रोलपंप, मारवाड़ी मोहल्ला, केसरी चौक, जतराहीबाग, गुदरी बाजार, अव्वल मोहल्ला, पोस्ट आफिस चौक के रास्ते शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। रथ यात्रा को लेकर शहर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये थे।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ जिला इकाई की बैठक संपन्न

कोडरमा। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ जिला इकाई कोडरमा की बैठक वसुंधरा गार्डन में जिला अध्यक्ष शिव शंकर रजक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें संबंधित शिक्षकों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। जिसमें प्रारंभिक शिक्षकों का 31 शिक्षकों का मूल सेवा-पुस्तिका का कार्यालय से गायब होने, 29 दिसंबर 2022 को स्थापना समिति से अप्रवृत्त होने के बाद 6 महीने गुजर जाने के बाद भी ग्रेड 2 का लेट निर्गत नहीं होने, शिक्षकों का सेवा-संपुष्टि नहीं होने, सतगांवा एवं डोमचांच प्रखंड के 5-5 शिक्षकों का मासिक वेतन का अकारण प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सतगांवा के द्वारा रोके जाने, सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। साथ मांगों से संबंधित ज्ञान 21 जून 2023 को जिला शिक्षा अधीक्षक सह अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार को सौंप जाने की बात भी कही गई। मौके पर शिव शंकर रजक, रविकांत कुमार रवि, सुभाष चंद्र, गांधी प्रसाद, संजीव कुमार मिश्र, रामचंद्र ठाकुर, शंकर दयाल, प्रदीप कुमार सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।



तीन घरों में लगी आग

कांडी। थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव निवासी कामेश्वर चौहान, सुरेश चौहान व नरेश चौहान के घर में मंगलवार को दोपहर अचानक आग लगने से घर के अंदर रखे अन्न, वस्त्र, बिस्तर, पशु चारा, जलावाली की लकड़ियां, साईकल व पम्प सेट जल कर राख हो गया। साथ ही एक बकरी व एक बछड़ा भी झुलस कर भर रूप से घायल हो गया। इस संबंध में भुक्तभोगी ने बताया कि आग कैसे लगी, किसी को जानकारी नहीं है। घर के भीतर सभी सदस्य सोए हुए थे। अचानक आग की लपटें देख कर सभी लोगों की नांद खुली तो घर-जोर से शोर मचा कर आसपास के लोगों को एकत्रित किया। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा मोटर व डीजल पम्प लगा कर भारी मसक्कत से आग पर काबू पाया गया। तब तक आग उक्त तीनों घरों को अपनी चपेट में ले लिया था। आग बुझाने के क्रम में मनोज कुमार चौहान सहित अन्य सदस्य सुझस गए। आगजनी की सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुंचे मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार पासवान ने पीड़ित परिवारों को सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा दिलाने की बात कही। जबकि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि आगजनी से शक्ति पूर्ति के साथ साथ अपने स्तर से तत्काल इन्हें हर प्रकार की सहयोग प्रदान करेंगा।



सार्वजनिक उपयोग के भूखंड पर अवैध कब्जा कांडी। अंचल कार्यालय कांडी के एड्स में काचर गांव की एकमात्र सार्वजनिक उपयोग के भूखंड पर एक व्यक्ति के द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। इस जमीन पर से अवैध कब्जा हटाने के लिए ग्रामीण कई सालों से परेशान हैं। लेकिन संबंधित सरकारी महकमा के द्वारा कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। यहां तक कि अनुमंडल पदाधिकारी को इस बाबत निर्देश देते 2 साल से अधिक का समय गुजर गया। लेकिन अभी तक किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई। मालूम हो कि काचर गांव के खाता नंबर 78 प्लॉट नंबर 93 में 95 डिसमिल का एक भूखंड अवस्थित है। जिसकी किस्म जमीन अनाबाद झारखंड सरकार है। इस संबंध में ग्रामीणों ने अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा को भी आवेदन देकर तत्संबंधी कार्रवाई की गुहार लगाई है। एसडीओ गढ़वा ने उनके पत्रांक 606 कांडी अंचल पदाधिकारी को पत्र लिखकर इस मामले की जांच एवं कार्रवाई का निर्देश दिया था। 20 महीने तक अंचल पदाधिकारी के द्वारा संबंधित मामले को लेकर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

सामूहिक विवाह कर आर्थिक रूप से हों मजबूत : विकास कुमार माली

अब तक 13 हजार कन्याओं की शादी करा चुका है कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी की ओर से गरीब कन्याओं का विवाह प्रत्येक वर्ष करता जा रहा है। जिन कन्याओं की बेटी की शादी हो रही है वही गरीब परिवार के लोग आर्थिक रूप से मजबूत भी हो रहे हैं। कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी मुफ्त में शादी करने के साथ-साथ कन्या एवं वधू को विवाह सामग्री निशुल्क उपलब्ध करा रही है। यह जानकारी



कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी के सचिव विकास कुमार माली ने मंगलवार को गढ़वा स्थित कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी। उन्होंने बताया कि कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी के बैनर तले झारखंड और बिहार में अब तक करीब 13 हजार असहाय, निर्धन कन्याओं की शादी कराई गई है।

बढ़ावा देने की अपील किया है। ताकि अंतरजातीय विवाह में जो प्रोत्साहन राशि राज्य सरकार देती है उससे सामूहिक विवाह का प्रचलन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पलामू के मेदनीनगर में 51, गया जिला में 51 व नवादा जिला में 51 कन्याओं की शादी कराई गई। जबकि भागलपुर में 28 जून को 51 कन्याओं की शादी सोसायटी की ओर से कराई जाएगी। वहीं दिसंबर महीने में गढ़वा जिले के टाउन हॉल के मेदान में 101 कन्याओं की शादी कराई जाएगी। प्रेस वार्ता में गढ़वा जिला प्रबंधक अशुब खान उर्फ बबन, प्रतिमा कुमारी, टिकू तिवारी आदि लोग उपस्थित थे।





योग से समाधि



योग के प्रकार
योग की उच्चावस्था समाधि, मोक्ष, कैवल्य आदि तक पहुँचने के लिए अनेकों साधकों ने जो साधन अपनाए उन्हीं साधनों का वर्णन योग ग्रन्थों में समय समय पर मिलता है। उसी को योग के प्रकार से जाना जाने लगा। योग की प्रामाणिक पुस्तकों में शिवसंहिता तथा गोरक्षशतक में योग के चार प्रकारों का वर्णन मिलता है -

मंत्रयोगों हृष्येव लययोगस्तुतीयक ?।
चतुर्थो राजयोगः (शिवसंहिता, 5/11)
मंत्रो लयो हटो राजयोगन्तर्भूमिका क्रमात् एक एव चतुर्थांशं महायोगोभियते॥

इडा जो बायें स्वर का प्रतीक है। इन दोनों के बीच तीसरी नाड़ी सुषुम्ना है। इस प्रकार हठयोग वह क्रिया है जिसमें पिंगला और इडा नाड़ी के सहारे प्राण को सुषुम्ना नाड़ी में प्रवेश कराकर ब्रह्मरन्ध्र में समाधिस्थ किया जाता है। हठ प्रदीपिका में हठयोग के चार अंगों का वर्णन है- आसन, प्राणायाम, मुद्रा और बन्ध तथा नादानुसंधान। चेरण्डसंहिता में सात अंग- पटकर्म, आसन, मुद्राबन्ध, प्राणायाम, ध्यान, समाधि जबकि योगतत्वोपनिषद् में आठ अंगों का वर्णन है- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, भ्रम्यहृष्टि और समाधि।



: कुंडलिनी योग
चित्त का अपने स्वरूप विलीन होना या चित्त की निरूद्ध अवस्था लययोग के अन्तर्गत आता है। साधक के चित्त में जब चलते, बैठते, सोते और भोजन करते समय हर समय ब्रह्म का ध्यान रहे इसी को लययोग कहते हैं।

चित्त का अपने स्वरूप विलीन होना या चित्त की निरूद्ध अवस्था लययोग के अन्तर्गत आता है। साधक के चित्त में जब चलते, बैठते, सोते और भोजन करते समय हर समय ब्रह्म का ध्यान रहे इसी को लययोग

(गोरक्षशतकम्)
उपयुक्त दोनों श्लोकों से योग के प्रकार हुए : मंत्रयोग, हठयोग लययोग व राजयोग।

मंत्रयोग
'मंत्र' का सामान्य अर्थ है- 'मननात त्रायते इति मंत्रः?। मन को त्राय (पार कराने वाला) मंत्र ही है। मंत्र योग का सम्बन्ध मन से है, मन को इस प्रकार परिभाषित किया है- मनन इति मनः?। जो मनन, चिन्तन करता है वही मन है। मन की चंचलता का निरोध मंत्र के द्वारा करना मंत्र योग है। मंत्र योग के बारे में योगतत्वोपनिषद् में वर्णन इस प्रकार है-

योग सेवने
साधकाधामा।
(अल्पबुद्धि साधक मंत्रयोग से सेवा करता है अर्थात् मंत्रयोग अनुसाधकों के लिए है जो अल्पबुद्धि हैं।) मंत्र से ध्वनि तरंगों पैदा होती है मंत्र शरीर और मन दोनों पर प्रभाव डालता है। मंत्र में साधक तीन घटकों का काफी महत्व है वे घटक- उच्चारण, लय व ताल हैं। तीनों का सही अनुपात मंत्र शक्ति को बढ़ा देता है। मंत्रजप मुख्यरूप से चार प्रकार से किया जाता है।

मंत्रयोग
राजयोग सभी योगों का राजा कहलाया जाता है क्योंकि इसमें प्रत्येक प्रकार के योग की कुछ न कुछ सामग्री अवशुच मिल जाती है। राजयोग महर्षि पतंजलि द्वारा रचित अष्टांग योग का वर्णन आता है। राजयोग का विषय चित्तवृत्तियों का निरोध करना है।

महर्षि पतंजलि के अनुसार समाहित चित्त वालों के लिए अभ्यास और वैराग्य तथा विक्षिप्त चित्त वालों के लिए क्रियायोग का सहारा लेकर आगे बढ़ने का रास्ता सुझाया है। इन साधनों का उपयोग करके साधक के क्लेशों का नाश होता है, चित्तप्रसन्न होकर ज्ञान का प्रकाश फैलता है और विवेकख्याति प्राप्त होती है।

योगाडानुशासनाद् शुद्धिश्चैव ज्ञानदीपिरा विवेक ख्याते ? (2/28)

राजयोग के अन्तर्गत महर्षि पतंजलि ने अष्टांग को इस प्रकार बताया है- **मनियमासनप्राणायामप्रत्याहारधारणाध्यानसामाधयोऽष्टांगानि।** योग के आठ अंगों में प्रथम पाँच बहिरंग तथा अन्य तीन अन्तरंग में आते हैं। उपर्युक्त चार प्रकार के अतिरिक्त गीता में दो प्रकार के योगों का वर्णन मिलता है-

(१) ज्ञानयोग (२) कर्मयोग
ज्ञानयोग, सांख्ययोग से सम्बन्ध रखता है। पुरुष प्रकृति के बन्धनों से मुक्त होना ही ज्ञान योग है। सांख्य दर्शन में 25 तत्वों का वर्णन मिलता है।

(३) वाचिक (2) मानसिक (3) उपाशु (4) अणपा।

हठयोग
हठ का शाब्दिक अर्थ हठपूर्वक किसी कार्य करने से लिया जाता है। हठ प्रदीपिका पुस्तक में हठ का अर्थ इस प्रकार दिया है-

हकारोच्यते सूर्यश्चकार चन्द्र उच्यते।
सूर्या चन्द्रमसो योगाद्धठयोगोऽभिधीयते॥
इसका अर्थ सूर्य तथा चन्द्र का अर्थ चन्द्र बताया गया है। सूर्य और चन्द्र की समान अवस्था हठयोग है। शरीर में कई हजार नाड़ियाँ हैं उनमें तीन प्रमुख नाड़ियों का वर्णन है, वे इस प्रकार हैं। सूयनाड़ी अर्थात् पिंगला जो दाहिने स्वर का प्रतीक है। चन्द्रनाड़ी अर्थात् केन्द्र; और भारतीय- अटॉर्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला बनाई जाएगी, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सड़क संगठन की भागीदारी देखने को मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अमृत करोड़ कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

केन्द्र; और भारतीय- अटॉर्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला बनाई जाएगी, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सड़क संगठन की भागीदारी देखने को मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अमृत करोड़ कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

केन्द्र; और भारतीय- अटॉर्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला बनाई जाएगी, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सड़क संगठन की भागीदारी देखने को मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अमृत करोड़ कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

केन्द्र; और भारतीय- अटॉर्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला बनाई जाएगी, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सड़क संगठन की भागीदारी देखने को मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अमृत करोड़ कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

केन्द्र; और भारतीय- अटॉर्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला बनाई जाएगी, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सड़क संगठन की भागीदारी देखने को मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अमृत करोड़ कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

केन्द्र; और भारतीय- अटॉर्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला बनाई जाएगी, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सड़क संगठन की भागीदारी देखने को मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अमृत करोड़ कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

भारत : विश्व का योग गुरु

आज 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। इस विशेष दिवस पर हम योग अभ्यास के कुछ पहलुओं को आपके सामने रखना चाहते हैं जिससे आप सब भी योग अपनाएं और स्वस्थ व सुखी जीवन जीयें।

योग भारत और नेपाल में एक आध्यात्मिक प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने (योग) का काम होता है। यह शब्द, प्रक्रिया और धारणा बौद्ध धर्म, जैन धर्म और हिन्दू धर्म में ध्यान प्रक्रिया से सम्बंधित है। योग शब्द भारत से बौद्ध धर्म के साथ चीन, जापान, तिब्बत, दक्षिण पूर्व एशिया और श्री लंका में भी फैल गया है और इस समय सारे सभ्य जगत में लोग इससे परिचित हैं। इतनी प्रसिद्धि के बाद पहली बार 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दी है।

भगवद्गीता प्रतिष्ठित ग्रंथ माना जाता है। उसमें योग शब्द का कई बार प्रयोग हुआ है, कभी अकेले और कभी सविशेषण, जैसे बुद्धियोग, संन्यासयोग, कर्मयोग। वेदोत्तर काल में भक्तियोग और हठयोग नाम भी प्रचलित हो गए हैं। पतंजलि योगदर्शन में क्रियायोग शब्द देखने में आता है। पाशुपत योग और माहेश्वर योग जैसे शब्दों के भी प्रसंग मिलते हैं। इन सब स्थलों में योग शब्द के जो अर्थ हैं वह



21 जून 2015 को प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 192 देशों और 47 मुस्लिम देशों में योग दिवस का आयोजन किया गया। दिल्ली में एक साथ 35985 लोगों ने योगाभ्यास किया। इसमें 84 देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर भारत ने दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज करा लिया है। पहला रिकॉर्ड एक जगह पर सबसे अधिक लोगों के एक साथ योग करने का बना, तो दूसरा एक साथ सबसे अधिक देशों के लोगों के योग करने का। योग भारत और नेपाल में एक आध्यात्मिक प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने (योग) का काम होता है।

एक दूसरे के विरोधी हैं परंतु इस प्रकार के विभिन्न प्रयोगों को देखने से यह तो स्पष्ट हो जाता है, कि योग की परिभाषा करना कठिन कार्य है। परिभाषा ऐसी होनी चाहिए जो अव्यापित और अतिव्यापित दोनों से मुक्त हो, योग शब्द के वाच्यार्थ का ऐसा लक्षण बतला सके जो प्रत्येक प्रसंग के लिये उपयुक्त हो और योग के सिवाय किसी अन्य वस्तु के लिये उपयुक्त न हो।

गीता में श्रीकृष्ण ने एक स्थल पर कहा है 'योगः कर्मसु कौशलम्' (योग से कर्मों में कुशलता आती है)। स्पष्ट है कि यह वाक्य योग की परिभाषा नहीं है। कुछ विद्वानों का यह मत है कि जीवात्मा और परमात्मा के मिल जाने को योग कहते हैं। इस बात को स्वीकार करने में यह बड़ी आपत्ति खड़ी होती है कि बौद्धमतवाले भी, जो परमात्मा की सत्ता को स्वीकार नहीं करते, योग शब्द का व्यवहार करते और योग का समर्थन करते हैं। यही बात सांख्यवादियों के लिए भी कही जा सकती है

जो ईश्वर की सत्ता को असिद्ध मानते हैं। पतंजलि ने योगदर्शन में, जो परिभाषा दी है 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः', चित्त की वृत्तियों के निरोध का नाम योग है। इस वाक्य के दो अर्थ हो सकते हैं: चित्तवृत्तियों के निरोध की अवस्था का नाम योग है या इस अवस्था को लाने के उपाय को योग कहते हैं। परंतु इस परिभाषा पर कई विद्वानों को आपत्ति है। उनका कहना है कि चित्तवृत्तियों के प्रवाह का ही नाम चित्त है। पूर्ण निरोध का अर्थ होगा चित्त के अस्तित्व का पूर्ण लोप, चित्ताश्रय समस्त स्मृतियों और संस्कारों का निःशेष हो जाना। यदि ऐसा हो जाए तो फिर समाधि से उठना संभव नहीं होगा। क्योंकि उस अवस्था के सहारे के लिये कोई भी संस्कार बचा नहीं होगा, प्रारब्ध दग्ध हो गया होगा। निरोध यदि संभव हो तो श्रीकृष्ण के इस वाक्य का क्या अर्थ होगा? योगस्थः कुरु कर्माणि, योग में स्थित होकर कर्म करो। विरुद्धावस्था में कर्म हो नहीं सकता और उस अवस्था में कोई संस्कार नहीं पड़ सकता, स्मृतियाँ नहीं बन सकतीं, जो समाधि से उठने के बाद कर्म करने में सहायक हों।

संक्षेप में आशय यह है कि योग के शास्त्रीय स्वरूप, उसके दार्शनिक आधार, को सम्यक् रूप से समझना बहुत सरल नहीं है। संसार को मिथ्या माननेवाला अद्वैतवादी भी निरिच्छाड के नाम से उसका समर्थन करता है। अनीश्वरवादी सांख्य विद्वान भी उसका अनुमोदन करता है। बौद्ध ही नहीं, मुस्लिम सूफी और ईसाई मिस्टिक भी किसी न किसी प्रकार अपने संप्रदाय की मान्यताओं और दार्शनिक सिद्धांतों के साथ उसका सामंजस्य

स्थापित कर लेते हैं।
परिभाषा
(१) पातंजल योग दर्शन के अनुसार - योगश्चित्तवृत्त निरोधः (1/2) अर्थात् चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग है।
(२) सांख्य दर्शन के अनुसार - पुरुषप्रकृत्योर्वियोगेपि योगइत्यभिधीयते। अर्थात् पुरुष एवं प्रकृति के पार्थक्य को स्थापित कर पुरुष का स्व स्वरूप में अवस्थित होना ही योग है। (३) विष्णुपुराण के अनुसार - योग संयोग इत्युक्तः जीवात्म परमात्मने अर्थात् जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही योग है।

भगवद्गीता के अनुसार - सिद्धासिद्धयो समोभूत्वा समत्वं योग उच्यते (2/48) अर्थात् दुख-सुख, लाभ-अलाभ, शत्रु-मित्र, शीत और उष्ण आदि द्वन्द्वों में सर्वत्र समभाव रखना योग है।
(५) भगवद्गीता के अनुसार - तस्माद्योगा्युज्यस्व योग? कर्मसु कौशलम्-अर्थात् कर्तव्य कर्म बन्धक न हो, इसलिए निष्काम भावना से अनुप्रेरित होकर कर्तव्य करने का कौशल योग है।
(६) आचार्य हरिभद्र के अनुसार - मोक्षयोग जोयणाओ सव्यो वि धम्म वहारो जोगो मोक्ष से जोड़ने वाले सभी व्यवहार योग है।
(७) बौद्ध धर्म के अनुसार - कुशल चित्तैकगता योग अर्थात् कुशल चित्त की एकाग्रता योग है।



अष्टांग योग क्या है?



गुरु जगगी वासुदेव
दरअसल योग नहीं उप-योग हैं। क्या है ये उप-योग: ये उप-योग आसानी से किए जा सकने वाले मूवमेंट्स हैं जिन्हें 7 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति कर सकता है। इन्हें कहीं भी, किसी भी समय किया जा सकता है। योग गुरु द्वारा इन सरल योगाभ्यासों को 7 भागों में बांटा गया है। हर एक योग करने के लिए अधिकतम 5 मिनट का समय लगता है। क्या है ध्यान रखने वाली बातें?

इन योगाभ्यासों को करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

पेट पूरा भरा न हो। खाना खाने के बाद डेढ़-घंटे का अंतर रखें। अगर किसी दिन ऐसा न कर पाएँ तो उस दिन योग नमस्कार का अभ्यास न करें। हिंदिया की प्रब्लिम या प्रेमेंसी के शुरुआती महीनों में अर्वाइड करें। योग एक्सपर्ट की सलाह और डॉक्टर से पूछ कर ही योगासन करें। अगर आप सिर्फ एक अभ्यास करना चाहते हैं तो संपूर्ण खुशहाली के लिए योग नमस्कार करें। योग क्या है?

योग का अर्थ है जोड़ना. जीवात्मा का परमात्मा से मिल

जाना, पूरी तरह से एक हो जाना ही योग है। योगाचार्य महर्षि पतंजलि ने सम्पूर्ण योग के रहस्य को अपने योगदर्शन में सूत्रों के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार, हृत्तिल को एक जगह स्थापित करना योग है। अष्टांग योग क्या है? हमारे ऋषि मुनियों ने योग के द्वारा शरीर मन और प्राण की शुद्धि तथा परमात्मा की प्राप्ति के लिए आठ प्रकार के साधन बताए हैं, जिसे अष्टांग योग कहते हैं..

ये निम्न हैं- यम नियम आसन प्राणायाम

प्रात्याहार धारणा ध्यान समाधि आसान से तात्पर्य शरीर की वह स्थिति है जिसमें आप अपने शरीर और मन को शांत स्थिर और सुख से रख सकें.

स्थिरसुखमासनम्- सुखपूर्वक बिना कष्ट के एक ही स्थिति में अधिक से अधिक समय तक बैठने की क्षमता को आसन कहते हैं। योग शास्त्रों के परम्परानुसार चौरासी लाख आसन हैं और ये सभी जीव जंतुओं के नाम पर आधारित हैं। इन आसनों के बारे में कोई नहीं जानता इसलिए चौरासी आसनों को ही प्रमुख माना गया है. और वर्तमान में बलतीस आसन ही प्रसिद्ध हैं।आसनों के अभ्यास शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वास्थ्य लाभ

दुनिया में योग से वसुधैव कुटुम्बकम-एक परिवार, एक-पृथ्वी का संदेश



सर्वानन्द सोनोवाल
2023 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की विषय वस्तु 'वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग' है, और यह विषय वस्तु समग्र रूप से एक स्वस्थ, आनंदमय, शांतिपूर्ण और शक्ति युक्त दुनिया बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) से जुड़े सभी लोगों के निरंतर, निर्भीक और रःथायी प्रयासों पर प्रकाश डालती है। योग सकारात्मक ऊर्जा लाता है, और 'वसुधैव कुटुम्बकम' दुनिया को एक बड़े परिवार के रूप में देखना और मानना है। इस तरह से देखा जाए तो भारत की प्राचीन पारंपरिक प्रथा- योग, प्राचीन काल की प्रार्थना: 'सर्वे भवन्तु' सुखिन, सर्वे आगे बढ़ाया है। जन-साधारण की सेवा के प्रति उनकी स्थिर प्रतिबद्धता और भारत को हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखने की इच्छा के परिणामस्वरूप हर साल दुनिया भर में आईडीवाई मनाया जाता है जिसमें हर वर्ष भाग लेने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने बहुत पहले 2014 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के समक्ष हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय

योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव देते हुए वैश्विक कल्याण और समग्र स्वास्थ्य का मंत्र दिया था। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने तब सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और अब दुनिया इसे पूरे मन से अपना रही है। 'वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग' एक दिन का विषय नहीं है। यह एक ऐसी विषय वस्तु है जिस पर अच्छी तरह से विचार किया गया है, चर्चा की गई है, कई लोगों द्वारा प्रतिबिंबित किया गया है और हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी कल्पना की है। जी20 राष्ट्रों और एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) के सदस्य देशों के प्रतिनिधि और एससीओ के भागीदार भी योग को बेहद सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल भारत में योगाभ्यास करेंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, जैसा कि हम इसे अभी देख रहे हैं, सामूहिक तौर पर योग की बढ़ती स्वीकार्यता है। सम्पूर्ण सरकारी दृष्टिकोण के साथ भारत सरकार का प्रत्येक मंत्रालय और सभी हितधारक तालमेल से काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय दूतावासों, विदेशों में भारतीय मिशनों और दुनिया भर में वाणिज्य दूतावासों को प्रोत्साहित करता है। यह वैश्विक समुदाय के बीच योग को बढ़ावा देता है और भारत की सांस्कृतिक कुटनीति को मजबूत करता है। इसी प्रकार अन्य मंत्रालय भी अपनी सापेक्ष शक्ति के क्षेत्र में कार्य करते हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 की विषय



वस्तु की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए, सबसे पहला और महत्वपूर्ण कार्य दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचने का होगा। पिछले साल हमने इस उद्देश्य के लिए र्गार्जियन रिंग ऑफ योगर किया था। इस साल हम ओशन रिंग के रूप में, और प्राइम मेरिडियन लाइन पर या उसके पास पड़ने वाले आर्कटिक से अंटार्कटिका देशों तक हर योग प्रदर्शन कर रहे हैं। 21 जून को ये दो विचार न केवल वैश्विक समुदायों के भागीदारी बढ़ाएंगे, बल्कि यह भी प्रदर्शित करेंगे कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

केन्द्र; और भारतीय- अंटार्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला बनाई जाएगी, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सड़क संगठन की भागीदारी देखने को मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अमृत करोड़ कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमालय-स्वाल्बार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान

के दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। यह विचार स्पष्ट रूप से यह दिखाता है कि आईडीवाई हर किसी के लिए उत्सव है और हम में से प्रत्येक को अपनी भूमिका निभानी है। ग्रामीण स्तर पर सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा और इसके लिए सामान्य सेवा केन्द्रों को भी जोड़ा गया है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत आयुष स्वास्थ्य और सम्पूर्ण स्वास्थ्य केन्द्र भी सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन करेंगे। यह भारत भर के सभी स्वास्थ्य और सम्पूर्ण स्वास्थ्य केन्द्रों में होगा। सीवाईपी का अग्रेसर सभी आयुष सुविधाओं जैसे शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों आदि में किया जाएगा। प्रत्येक राज्य का एक आयुष ग्राम भी सीवाईपी अभ्यास में भाग लेगा और इसके लिए चिन्हित गाँव में योग प्रशिक्षक नियुक्त किए जा रहे हैं ताकि रःसम्पूर्ण योग ग्रामर का दर्जा प्राप्त किया जा सके। इसका अंतिम उद्देश्य ग्रामीण और सुदूरवर्ती इलाकों में रहर आंगन योगर के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके लिए भारत में 2 लाख से अधिक गाँवों में लोगों को कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) में प्रशिक्षित करने का प्रावधान किया गया है।

इस वर्ष, हमारे माननीय प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योग प्रदर्शन की अगुवाई करेंगे। मुझे यकीन है कि इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग को बड़ा समर्थन मिलेगा। साथ ही, इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम 21 जून को मध्य प्रदेश के जबलपुर में होगा।

(लेखक केन्द्रीय आयुष और पलतन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री)

ब्यूटीशियन हत्याकांड का हुआ खुलासा

सौतन ने सुपारी किलर से करायी थी मनीषा की हत्या

दुमका से नोनीहाट के बीच गोली मारकर की गयी थी हत्या

रिया रमन होटल में खाना खाने के बाद मनीषा को कार में लेकर निकले थे अपराधी



जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

मिलकर रची थी। एसडीपीओ शिवेंद्र के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने मामले का उद्घेदन कर इस मामले में सौतन आशा देवी समेत तीन को गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त

कार को भी पुलिस ने जरमुंडी के पास से जब्त किया है। मंगलवार को एसडीपीओ शिवेंद्र ने हंसडीहा थाना में जानकारी देते हुए बताया कि जयप्रकाश मंडल उर्फ प्रकाश मंडल

ने अपनी पत्नी आशा देवी के रहते दुमका की ब्यूटीशियन मनीषा से शादी कर ली थी। मनीषा का अपने पहले पति से तलाक हो चुका है। जयप्रकाश मंडल मनीषा की सुंदरता पर इस कदर फिदा था कि उसे रानी की तरह बनाकर रखने लगा। इसी दरम्यान मनीषा गर्भवती हो गई। जयप्रकाश ने मनीषा को आशवासन दिया था कि उसे जल्द ही अपने घर ले जाएगा। इधर, अपनी सौतन के गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर आशा को लगने लगा कि मनीषा की संतान उसके पति के सम्पत्ति पर आधा अधिकार जमा होगा जो बात

उसपर नागवार गुजरी और आशा ने अपने भतीजे पीताम्बर मंडल के साथ मिलकर अपराधी मुमतज्ञ अंसारी के सहयोग से मनीषा को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। प्लान के तहत पीताम्बर मुमतज्ञ अंसारी और एक कार चालक को लेकर 17 जून को मनीषा के पास पहुँचा और मनीषा को हंसडीहा ले जाने की बात कहकर उसे अपने साथ लेकर निकल गया इससे पहले सभी दुमका स्थित रिया रमन लाइन होटल में खाना खाया और फिर वहां सि निकल गये। दुमका से निकलने के बाद दुमका

और नोनीहाट के बीच सुनसान जगह देखकर चलती कार में ही मनीषा के साथ पीछे बैठे मुमतज्ञ ने दो गोली चला डाली जिससे मनीषा की मौत हो गई। जिसके बाद रात में ही अपराधियों ने हंसडीहा थाना क्षेत्र के चोरबटिया पत्थर खदान में ले जाकर शव को फेक दिया। पुलिस अपराधियों द्वारा घटना में प्रयुक्त की गई हरे रंग की फोर्ड फिनो कार, मनीषा का पर्स, खून से सना दुपट्टा, सॉडल आदि बरामद करते हुए हत्या को अंजाम देने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दी है।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। उपराजधानी दुमका सहित जिले में कई मंदिरों से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई जिसमें अच्छी संख्या में भक्त शामिल हुए। दुमका शहर में दुर्गास्थान मंदिर से रथ यात्रा निकाली गई। इसके पूर्व दुर्गास्थान मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलराम जी और सुभद्रा का प्रतिका स्थापित किया गया। सुबह से ही दुर्गास्थान में पूजा-अर्चना शुरू हो गया था। प्रतीमा स्थापन के पश्चात रथ यात्रा निकाली गई जो 10 टन लोहे से बने रथ पर भगवान जगन्नाथ के साथ सुभद्रा और बलराम भी सवार थे। भक्तों के बीच यह मान्यता है कि रथ यात्रा में शामिल होने और भगवान का रथ खींचने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। रथ यात्रा में अच्छी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और रथ की रस्सी खींच कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। रथ यात्रा को लेकर दुमका के साथ ही मसलिया, बामुकीनाथ और रानेश्वर में सहित ग्रामीण इलाके उत्सवी माहौल रहा। शहर के साथ ही कई मंदिरों से रथ



होता है वह 10 टन लोहे का बना है। दुर्गास्थान भगवान जगन्नाथ को स्नान कराया गया। नए वस्त्र पहनाए गए एवं भगवान को भोग दही चुड़ा, कटहल का कोवा, खुर्मा, बतासा का लगाया गया। उसके बाद भगवान जगन्नाथ के जयकरों के साथ रथ यात्रा मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान किया। रथ यात्रा शहर में वीर कुवंर सिंह चौक, नीचे बाजार और टैनबाजार सहित शहर के कई प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। जिधर से भी रथ गुजरी भक्तों ने थोड़ी दूर तक रथ खींच कर भगवान का आशीर्वाद लिया। गमरा गांव के भजन कीर्तन मंडली द्वारा भजन-कीर्तन के साथ रथ यात्रा निकाली गई। कीर्तन मंडली में काफी संख्या में भजन गायक शामिल हुए। मुख्य पुजारी छोटे लाल मिश्रा ने बताया कि दुमका में करीब 100 साल से रथ यात्रा निकालने की परम्परा चली आ रही है।

होकर गुजरी। जिधर से भी रथ गुजरी भक्तों ने थोड़ी दूर तक रथ खींच कर भगवान का आशीर्वाद लिया। गमरा गांव के भजन कीर्तन मंडली द्वारा भजन-कीर्तन के साथ रथ यात्रा निकाली गई। कीर्तन मंडली में काफी संख्या में भजन गायक शामिल हुए। मुख्य पुजारी छोटे लाल मिश्रा ने बताया कि दुमका में करीब 100 साल से रथ यात्रा निकालने की परम्परा चली आ रही है।

गोड़-सियालदह अप- डाउन ट्रेन के ठहराव की मांग को लेकर जुटे ग्रामीण



खबर मन्त्र संवाददाता

शिकारीपाड़ा। प्रखण्ड स्थित पिनगाड़िया रेलवे स्टेशन पर गोड़-सियालदह अप - डाउन ट्रेन के ठहराव की मांग को लेकर मंगलवार को काफी संख्या में ग्रामीणों का जुटान हुआ। इनकी मांग थी कि पिनगाड़िया रेलवे स्टेशन पर गोड़ - सियालदह अप डाउन ट्रेन का ठहराव हो। ग्रामीणों का कहना था कि 03 माह पूर्व भी उन्होंने इसके लिए आवाज उठाई थी और स्टेशन प्रबंधन के द्वारा हम लोगों को आशवासन दिया गया था कि उक्त ट्रेन का ठहराव होगा लेकिन आज तक ऐसा नहीं हुआ। स्टेशन पर जुटे ग्रामीण काफी आक्रोशित नजर आये। उनका

कहना था कि इस क्षेत्र के आसपास पच्चीस से तीस की आबादी है। ऐसे में यह ट्रेन का रुकना काफी आवश्यक है। इन लोगों ने स्टेशन मास्टर से भी मुलाकात की तो स्टेशन मास्टर ने आश्वासन दिया कि आप की मांगों को वरीय अधिकारी तक पहुंचाई जाएगी। ग्रामीणों ने कहा कि इस माह के अंत तक अगर इस ट्रेन का ठहराव नहीं होता है तो हमारा आंदोलन तेज होगा। वही पूरे मामले पर स्टेशन मास्टर ने कहा कि ग्रामीणों की मांग पर हमने वरीय अधिकारी से बात की तो उन्होंने लिखित रूप से आवेदन लेने को कहा है। आवेदन को हम वरीय अधिकारी को फॉरवर्ड कर देंगे। उन्हीं के द्वारा आगे डिसीजन लिया जाएगा।

बिहार की खबरें भारत-नेपाल सीमा पर क्रॉस बॉर्डर मानव तस्करी रोकने पर हुई कार्यशाला



एजेंसी

पूर्वी चंपारण। चाणव्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय पटना के तत्वाधान में मंगलवार को रक्सौल स्थित आईसीपी में क्रॉस बॉर्डर बाल व मानव तस्करी रोकने को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सशस्त्र सीमा बल पांच वाहिनी 21वीं, 44 वीं, 47वीं, 65वीं 71वीं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बिहार-नेपाल सीमा पर क्रॉस बॉर्डर मानव तस्करी को रोकने के लिए, बिहार नेपाल सीमा पर क्रॉस बॉर्डर मानव तस्करी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी गयी,साथ ही बलकर्मियों को मानव तस्करी और पीडित की पहचान के लिए बनायी फिल्मों को भी दिखाया गया। मानव

तस्करी और पीडित से बातचीत करने तरीका,मानव तस्करी के संदर्भ में मुख्य कानून, एचटीयू के कार्य और वाहिनियों के सहयोग,मानव तस्करी की सूचना कैसे काम करे,बाल यौन शोषण,बाल मजदूरी,बाल विवाह जैसी गंभीर मुद्दों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर देवा सैकिया, सहायक कमांडेंट 44वीं वाहिनी रक्सौल,उपनिरीक्षक अनुज कुमार, बाह्य पुलिस चौकी रक्सौल,उपनिरीक्षक सुशब कुमारी,थाना रक्सौल,आर.आर कश्यप आरपीएफ रक्सौल, किरण शर्मा बाल कल्याण अधिकारी वीरगंज महानगरपालिका, भारत की गैर सरकारी संस्था में जिला समन्वयक आरती कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

जानलेवा हमले में अवर निरीक्षक जखमी परिजनों ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

नवादा। भारत सीमा सुरक्षा बल के एनडीआरएफ दिल्ली बटालियन में कार्यरत अवर निरीक्षक रवि रंजन कुमार को कार्शाचक थाने के जगदीशपुर गांव में अविनाश कुमार तथा उनके परिजनों ने तेज हथियार से प्राण लेवा हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। इस घटना के बावजूद हमलावर खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई नहीं कर उल्टे अपराधियों का ही समर्थन कर रही है। सीमा सुरक्षा बल के अवर निरीक्षक रवि रंजन के रिश्तेदारों ने मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री, डीजीपी, मगध जोन के आईजी सहित कई उच्च अधिकारियों को शिकायत पत्र भेजकर हत्या की नियत से हमला करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनके गांव के अविनाश कुमार अपराधी किसम का व्यक्ति है, जो शराब के नशे में रहकर बराबर सबको मारपीट किया करता है। उन पर और भी कई मुकदमे किए गए है लेकिन स्थानीय पुलिस संरक्षित कर रही है। इलाके के लोगों ने अविनाश कुमार के गिरफ्तारी कर कार्रवाई की मांग की है।

विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य हुआ शुरू

3.76 लाख वर्गफुट में होगा निर्माण, 270 फीट ऊंचा होगा मुख्य शिखर

विराट रामायण मंदिर की लंबाई 1080 फीट और चौड़ाई 540 फीट होगी



किया जा रहा है। वर्ष 2025 के आखिर तक विराट रामायण मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। मंदिर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना सावन में की जाएगी। मंदिर के कुल 12 शिखरों की साज-सज्जा में और दो वर्ष लगेगे। उन्होंने बताया कि प्रभु श्रीराम जब शादी के लिए अयोध्या से जनकपुर जा रहे थे,तब उनकी बारात यहां रुकी थी,इसलिए ही इस स्थल का चयन कर इसका नाम जानकी नगर रखा गया है कहा,कि

विराट रामायण मंदिर तीन मंजिला होगा। मंदिर के प्रवेश द्वार पर प्रथम पुज्य विघ्नहर्ता भगवान गणेश विराजमान होगा जिसके बाद काले ग्रेनाइट की चट्टान से बने विशाल शिवलिंग होगा। जिसे महाबलितपुरम में 250 टन वजन के ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराशकर मुख्य शिवलिंग के साथ सहस्रलिंगम का स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार आठवीं शताब्दी के बाद सहस्रलिंगम का निर्माण

भारत में नहीं हुआ है। शिवलिंग का वजन 210 टन, ऊंचाई 33 फीट और गोलाई 33 फीट होगी। मन्दिर का क्षेत्रफल 3.67 लाख वर्गफुट होगा। सबसे ऊंचा शिखर 270 फीट का होगा।दुसरा शिखर 198 फीट का होगा। जबकि 180 फीट के अन्य चार शिखर के साथ 135 फीट का एक और शिखर और 108 फीट ऊंचाई के 5 शिखर का निर्माण होगा। विराट रामायण मंदिर की लंबाई 1080 फीट और चौड़ाई 540 फीट है। आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि यह मंदिर अयोध्या में बन रहे रामलला मन्दिर की लंबाई 360 फीट और चौड़ाई 235 फीट और सबसे ऊंचा शिखर 135 फीट से ज्यादा होगी।विराट रामायण मन्दिर में शैव और वैष्णव देवी-देवताओं के कुल 22 मन्दिरों के साथ कई आश्रम, गुरुकुल और धर्मशाला का भी निर्माण होगा।

पेड़ पर लटकता मिला तेंदुआ का शव

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का चलेगा पता

बगहा। वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के मदनपुर रेंज के नौरंगिया स्थित वाल्मीकिनगर-- बगहा राजकीय पथ से सटे भजनी कुट्टी मंदिर परिसर में सदियथ अवस्था में पेड़ से लटकता एक तेंदुआ का शव मंगलवार को मिला। जिसे देखते ही वन विभाग के अधिकारियों की बेचैनी बढ़ गई है। समाचार लिखे जाने तक तेंदुआ की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। वन विभाग के पदाधिकारियों के मुताबिक पोस्टमार्टम के रिपोर्ट आने के बाद तेंदुआ की मौत की खुलासा हो पायेगा। ग्रामीणों के अनुसार इस तरह से तेंदुआ की मौत पहली बार हुई है, इसके पहले ऐसा कभी क्षेत्र में सुनने और देखने को पहली बार मिला है।

सीपीआई ने विभिन्न मांगों के समर्थन में जुलूस निकाल कर किया प्रदर्शन

एजेंसी

सहरसा। सीपीआई ने विभिन्न मांगों के समर्थन में मंगलवार को समाहरणालय के मुख्यद्वार पर जोरदार प्रदर्शन किया। समाहरणालय के निक्ट संघा को संबोधित कर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय परिषद सदस्य कॉमरेड ओम प्रकाश नारायण ने कहा कि देश में महंगाई की मार से जनता कराह रही है। वहीं बेरोजगार युवकों की बढ़ती फौज देश बारूद के ढेर पर खड़ा है। सरकार की विभाजन कारी सांप्रदायिक कारगुजारी सामाजिक सौहार्द चिंताजनक रूप से खराब होते जा रहे हैं। जनता की गाढ़ी कमाई से खड़ा किया गया सार्वजनिक क्षेत्र



अपने कॉपोरेंट मित्रों के हवाले किया जा रहा है। सीबीआई का इस्तेमाल विपक्ष मुक्त भारत बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार ने अपनी कार्यप्रणाली से साबित कर दिया है। यह सरकार देश विरोधी जन विरोधी और समाज विरोधी है। जातीय गणना को अप्रत्यक्ष रूप से रोड़ा

अटका दिया गया है।वहीं समाहरणालय पर प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। सभा से पूर्व निकाली गयी रैली सुपर बाजार से निकलकर संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा कौन करेगा। बेरोजगारों को रोजगार एवं किसानों को समर्थन मूल की गारंटी करो जैसे कई नारे लगाते हुए सरकार के नीतियों का विरोध किया।

एक नजर में

सदर अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में भी एंटी रेबीज वैक्सीन रखी जाये : त्रिशानु राय

चाईबासा। सदर अस्पताल चाईबासा के आपातकालीन कक्ष में भी जनहित में एंटी रेबीज वैक्सीन रखे जाने की मांग को लेकर प०सिंहभूम जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य सांसद प्रतिनिधि त्रिशानु राय ने मंगलवार को अर्सेनिक शल्य चिकित्सक -सह- मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र लिखा है। पत्र में त्रिशानु राय ने कहा कि एंटी रेबीज वैक्सीन ओपीडी में तो उपलब्ध रहता है। किंतु आपातकालीन कक्ष में एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध नहीं रहने की स्थिति में स्थानीय लोगों को दो- चार होकर मजबूरन बाहर से वैक्सीन अन्यत्र क्रय करना पड़ता है। उस स्थिति में विशेषकर आर्थिक स्थिति से अक्षम स्थानीय लोगों को काफी परेशानी होती है। सदर अस्पताल चाईबासा पूरे प. सिंहभूम जिले के लिए संजीवनी है। सदर अस्पताल प्रबंधन को एंटी रेबीज वैक्सीन का प्रतिफल देना चाहिए। प्रबंधन को यह चाहिए स्थानीय लोगों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखे पर इस संदर्भ में पूरी उदासीनता बरती जा रही है। त्रिशानु ने बताया कि रविवार को चाईबासा के स्थानीय निवासी रवि कुमार मिश्रा को स्वान डॉंग के द्वारा रात में काट लिया जाता है। वो वैक्सीनेशन के लिए सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचते है तो उन्हे आपातकालीन कक्ष में वैक्सीन अनुपलब्ध नहीं होने की बात कहा जाता है। जिसके बाद मजबूरन उनको वैक्सीनेशन अन्यत्र स-सुल्क करवाना पड़ा है। इसलिए सदर अस्पताल चाईबासा के आपातकालीन कक्ष में भी एंटी रेबीज वैक्सीन रखा जाए।

पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा परिणाम प्रकाशित, 98 फीसदी छात्र हुए सफल

दुमका। सियो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा का परीक्षा परिणाम प्रकाशित हुई। इसकी जानकारी विश्वविद्यालय प्रवक्ता प्रो दीपक कुमार दास ने दी। उन्होंने बताया कि पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 2022 का परीक्षा परिणाम जारी हुआ। यह परीक्षा मई के अंतिम सप्ताह में आयोजित हुई थी। इस परीक्षा में विभिन्न विभागों के कुल 244 शोधार्थी शामिल हुए थे। जिसमें से 97.95 फीसदी छात्र-छात्राएँ सफल घोषित हुए है। परीक्षा विभाग के तत्परता और प्रभारी कुलपति डॉ विमल प्रसद सिंह के कुशल नेतृत्व के कारण पी-एचडी कोर्स वर्क परीक्षा का रिजल्ट परीक्षा के सिर्फ 22 दिनों के बाद ही प्रकाशित हुई।

पेज 1 का शेष भक्तों के बीच पहुंचे भगवान...

राज्यपाल और सीएम ने रथ खींच की शुरुआत : राज्यपाल राधाकृष्णन, सीएम हेमंत सोरन, कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, सांसद संजय सेठ, हटिया विधायक नवीन जायसवाल समेत अन्य ने रस्सा खींच कर रथ यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान भक्तों की भीड़ महाबाहु भगवान श्री जगन्नाथ के रथ से जुड़े रस्से को छूने के लिए लालायित रही। शाम को भक्तों ने रथ खींचकर मौसी बाड़ी पहुंचाया। भगवान अब नौ दिनों तक यहीं रहेंगे। दिन के दो बजे जब जगत नियंता मुख्य मंदिर की 135 सीढ़ियों से उतरकर जब भक्तों के बीच पहुंचे तो हर भक्त उनके रथ को स्पर्श के लिए लालक रहा था, बल्कि उनकी कृपा में सारे दुख-दर्द कष्ट और पीड़ा समाप्त हो जाये। **29 को घुरती रथ यात्रा :** अहले सुबह से ही प्रभु के दर्शन को भक्त मुख्य मंदिर में उमड़ पड़े थे। प्रभु प्रभु 10 दिन मौसी के घर रहेंगे। 29 जून को घुरती रथ यात्रा के दिन अब अपने धाम मुख्य मंदिर लौटेंगे। अब 10 दिनों तक भक्त मौसीबाड़ी में प्रभु की पूजा-अर्चना करेंगे। **यहां भी निकाली गयी रथ यात्रा :** मंगलवार को राज्य के अलग-अलग जगहों पर रथ यात्रा निकाली गयी। रांची में जगन्नाथपुर के बाद रातू, ईंटकी, बेड़ी, चनकोपी, लोहरदगा, गण्डरा, नागफेरी, बहरागोड़ा, धनबाद, कुमार्धुबी, कोल्हान में नोवामुंडी, किरौड़ु, पाकुड़, डाल्टेनगंज, हजारीबाग सहित अन्य जगहों में धूमधाम से प्रभु जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथ खींची गयी। इन जगहों पर मेला का भी आयोजन हुआ।

कारोबारी विष्णु अग्रवाल से...

जिसपर इसके खिलाफ जेल अधीक्षक हाईकोर्ट चले गये। इसी को आधार बनाते हुए पिछले दो सप्ताह में जेल अधीक्षक इडी के सामने उपस्थित नहीं हुए। हालांकि पांच दिसंबर 2022 को वह इडी के रांची एयरपोर्ट रोड स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ में शामिल हो चुके हैं। इडी ने तब उनसे जेल का सीसीटीवी फुटेज मांगा था, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। इडी को सूचना मिली थी कि जेल में रहते हुए मनी लॉड्रिंग के गिरफ्तार आरोपित जेल मेनुअल का उल्लंघन कर रहे हैं। मोबाइल फोन सहित वह सभी सुविधाएं भोग रहे हैं, जो जेल मेनुअल के विरुद्ध है।

झामांझम बारिश से...

पलामू को छोड़, हर जगह तापमान गिरा : मंगलवार दोपहर बाद हुए मौसम के बदलाव से लोगों को तेज गर्मी और धूप से राहत मिली। कुछ इलाकों में अच्छी बारिश हुई। बदले मौसम के बाद पलामू को छोड़कर राज्य के सभी जिलों में तापमान 40 डिग्री से नीचे आ गया है। अगले कुछ दिनों तक राजधानी समेत अन्य जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की संभावना बनी रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि शुष्क मौसम के दौरान अचानक बारिश होने से वज्रपात की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने तीन दिनों तक वज्रपात की प्रबल आशंका जतायी है। आने वाले तीन दिनों तक मानसून राज्य में पूरी तरह मजबूत हो जायेगा। **लोहरदगा में तीन की मौत, चार गंभीर :** मंगलवार को बरसात के बीच लोहरदगा में आसानी कहर का प्रकोप दिखा। वज्रपात की घटना में बालक सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। चार लोग गंभीर रूप से झुलस गये हैं। लोहरदगा सदर अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। मृतकों संगीता कुमारी (14), बसमतिया देवी (46) के नाम हैं। वहीं 55 वर्षीय बुधमन खैरवार और 14 वर्षीय मनीषा कुमारी घायल हो गयी। मृतकों में पेशरार बालाडीह चिनार टोला गांव में संगीता कुमारी और बसमतिया देवी शामिल हैं। वहीं एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। **मेसरा में वज्रपात से एक की मौत :** मंगलवार शाम वज्रपात के कारण मेसरा पूर्वी पंचायत की सिमरन (12) की जान चली गयी। लिया गांव की रहने सिमरन अपने भाई और बहन के साथ नहाने के लिए घर से कुछ ही दूरी पर कुआं पर गई थी। उसी समय ठनका गिरने से उसकी मौत हो गयी।

आज यूएनओ मुख्यालय में...

वहां से पीएम मोदी वाशिंगटन डीसी जायेंगे, जहां 22 को व्हाइट हाउस में उनका औपचारिक स्वागत किया जायेगा। यहां वह अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ उच्च स्तरीय संवाद करेंगे। बाइडेन और प्रथम महिला डॉ जिल बाइडेन उसी शाम पीएम मोदी के सम्मान में राजकीय रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा होगी और भारत से अमेरिका की केवल तीसरी राजकीय यात्रा होगी। पीएम मोदी मित्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के निमंत्रण पर मिश्र अरब गणराज्य की राजकीय यात्रा पर 24 जून को वह काहिरा पहुंचेंगे। काहिरा भी जायेंगे। **पांच बड़ी डिफेंस डील :** पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान पांच रक्षा सौदों को मंजूरी मिल सकती है। ये रक्षा सौदे न सिर्फ दोनों देशों के रक्षा कार्फी मान्ये रखते हैं, बल्कि इन पर दुनियाभर के देशों का नजर है। अमेरिका ने एम 777 लाइट हॉलियर तोप को अपग्रेड करने की पेशकश की है। इससे इसकी रेंज बढ़ जायेगी। ये हल्की तोप कारगिल जैसे पहाड़ी इलाके में युद्ध में काफी कारगर है। यह करीब 40 किलोमीटर तक मार करने की क्षमता रखती है। भारत को चीन से मुकाबला करने के लिए लड़ाकू विमानों की संख्या तेजी से बढ़ानी होगी। स्वदेशी विमान तेजस ने अपनी क्षमता साबित की है। यात्रा के दौरान दोनों पक्षों में बंगलुरु शहर में भारत के सरकारी हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड में लड़ाकू स्टेट इंजन-1 जीई एफ 414 के सह-निर्माण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है। एमव्यू 9 प्रोड्यटर अमेरिका से सबसे घातक ड्रोन है इस पर करार संभव है। नौसेना के पास अभी दो एमव्यू 9 प्रोड्यटर ड्रोन है।



पाक में न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाएगा चीन
इस्लामाबाद। भीषण आर्थिक संकट के बीच चीन ने पाकिस्तान में 1200 मेगावॉट क्षमता का पावर प्लांट लगाने का फैसला किया है। दोनों देशों के बीच इस पावर प्लांट के लिए 4.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का समझौता हुआ, जिस पर मंगलवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। चीन ने पाकिस्तान के पंजाब राज्य के मियावाली जिले में पावर प्लांट लगाने में 4.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर निवेश का फैसला लिया है। इस प्लांट को चश्मा-5 नाम दिया गया है।

गैंगस्टर आसे की ढाई करोड़ की संपत्ति कुर्क
नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले की पुलिस ने मंगलवार को गैंगस्टर मनोज आसे की करीब ढाई करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मनोज को खिलाफ हत्या, रंगदारी वसूलने सहित विभिन्न धाराओं में करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

मणिपुर में चार सदिग्ध उग्रवादी गिरफ्तार
इम्फाल। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर के थोबल जिले में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूनएलएफ) के चार सदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों से 51 एमएम का एक मोर्टार, एक बम बरामद किया गया है।

पाक में प्रेम-संबंध में तीन की हत्या, एक के नाक-कान काटे
लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अलम-अलग घटनाओं में झूठी शान के नाम पर दो किशोरियों एवं एक पुरुष की कथित रूप से हत्या कर दी गयी जबकि एक व्यक्ति के नाक-कान काट डाले गये। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पहली घटना में पंजाब में सहगोडा जिले में नसीर अहमद को 19 वर्षीय बेटी पर अपने ही क्षेत्र के मुख्तार से प्रेम-संबंध का संदेह था। सोमवार को अहमद ने पहले अपने घर में अपनी बेटी की हत्या कर दी गयी और फिर वह मुख्तार के यहां गया एवं उसे चाकू घोंपकर मार डाला।

71 दवा कंपनियों को नोटिस

एजेंसी
नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसूख मांडविया ने कहा है कि भारत नकली दवाओं के मामले में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का पालन करता है। उन्होंने कहा कि खासी रोकने के लिए भारत निर्मित सीरप के कारण कथित मौतों के बारे में कुछ हलकों में चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है।
मंत्रा ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए लगातार व्यापक विशेषण किया जाता है,

स्कूली छात्रों को भोजन में अब मिलेगा सहजन, साग व फलियां

एजेंसी
नयी दिल्ली। स्कूली छात्रों में लौह, खनिज की कमी से निपटने के लिए पीएम पोषण योजना के तहत मिलने वाले भोजन में अब सहजन, पालक, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध साग एवं फलियां आदि को शामिल किया जा सकता है। शिक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एल एस चांगसन ने 14 जून को राज्यों के अतिरिक्त सचिवों, मुख्य सचिवों, शिक्षा सचिवों तथा पीएम पोषण शक्ति निर्माण के अनुपालन के शीर्ष निकायों को लिखे पत्र में यह सुझाव दिया है। पत्र में कहा गया है कि मैं आपका ध्यान राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-20) की ओर दिलाना चाहता हूँ जिसमें यह बात सामने आई है कि 32 प्रतिशत बच्चे कम वजन वाले हैं और 67

पीएम पोषण योजना : लौह, खनिज की कमी से निपटने की तैयारी

► शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और शिक्षा सचिवों को पत्र में दिया सुझाव

प्रतिशत बच्चों में किसी न किसी स्तर पर रक्ताल्पता (अनिमिया) है। ये आंकड़े भविष्य की पीढ़ी के लिए गंभीर है और आपके तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। पीएम पोषण योजना में रूचिकर एवं पोषक भोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि टूटा गेहूँ, टूटा चावल, मोटा अनाज, निर्धारित मात्रा में दाल, मौसमी हरी पत्तेदार सब्जी तथा कुछ मात्रा में खाद्य तेल एवं मसाले से भोजन पोषक और स्वास्थ्यवर्द्धक बनता है। कई तरह के खाद्य पदार्थों के संयोग से तैयार भोजन रूचिकर



बनता है और ऐसे खाने के छात्रों की रूचि बनी रहती है। पत्र में शिक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव चांगसान ने कहा कि मैं आपसे इन बातों पर विचार करने का आग्रह करता हूँ ताकि छात्रों को दैनिक आधार पर पोषक, स्वादिष्ट एवं गम्य पका भोजन सुनिश्चित किया जा सके। इसमें कहा गया कि छात्रों के लिए खाना तैयार करने में स्थानीय

व्यंजनों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। हरे पत्तेदार सब्जी का उपयोग काफी महत्वपूर्ण होता है जिससे रक्ताल्पता को कम करने में मदद मिलती है। इसमें कहा गया कि छात्रों के भोजन में सहजन, पालक, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध साग को भी शामिल किया जा सकता है। जो बच्चों के खाने में लौह तत्व के अच्छे स्रोत होते हैं और इससे उन्हें अधिक पोषक तत्व मिलेंगे। भोजन में फलियां शामिल करने से स्कूली बच्चों में अच्छी मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और खनिज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। पत्र में स्कूलों की पोषण वाटिका के महत्व पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया कि पोषण वाटिकाओं में सब्जियां उगाने में स्कूली बच्चों को शामिल करने के बहु आयामी प्रभाव पड़ते हैं।

माता-पिता के विमर्श से तैयार करें व्यंजनों की सूची
इसमें कहा गया है कि भोजन को रूचिकर, पोषक एवं सम्पूर्ण बनाने के लिए खाने के व्यंजनों की सूची का डिजाइन पोषण विशेषज्ञों, छात्रों के अलावा माता पिता के समूहों के साथ विचार विमर्श करके तैयार किया जा सकता है। इसमें कहा गया कि छात्रों की पसंद और स्थानीय भोजन को ध्यान में रखा जाना चाहिए तथा तिमाही आधार पर भोजन में शामिल सब्जियों और दालों की समीक्षा की जा सकती है। इसमें कहा गया कि छात्रों के स्वाद और स्वीकार्यता को ध्यान में रखा जाना चाहिए और रसोइया एवं उनके सहयोगियों के प्रशिक्षण को ध्यान में रखा जाना जरूरी है।

इससे बच्चों सब्जियां उगाना सीखते हैं, साथ ही उनमें कौशल विकास होता है तथा सामूहिकता एवं स्वामित्व बोध होता है। पीएम पोषण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत एक प्रमुख केंद्र पोषित योजना है जिसके दायरे में 10.84 लाख सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 12 करोड़ बच्चे आते हैं। पत्र में कहा गया कि परियोजना मंजूरी बोर्ड की वित्त वर्ष 2023-24 की बैठकों के कार्यवृत्त से स्पष्ट हुआ है कि कुछ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में पीएम पोषण योजना के तहत भोजन के व्यंजनों की सूची पर विशेष ध्यान दिये जाने की जरूरत है क्योंकि इसका स्कूली छात्रों के स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है।

मोदी ने अमेरिकी अखबार को दिया इंटरव्यू, रूस व चीन को खरी-खरी

सीमा पर शांति जरूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विश्व में भारत की स्थिति और कद को देखते हुए उसकी भूमिका व्यापक तथा बड़ी होनी चाहिए। श्री मोदी ने अमेरिका और मिस्र की यात्रा पर रवाना होने से पहले वॉल स्ट्रीट जनरल को दिये साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका और भारत के नेताओं के बीच परस्पर भरोसा बढ़ा है और दोनों देशों के संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की किसी को उसके स्थान से हटाना नहीं चाहता है।

हम चाहते हैं कि भारत को दुनिया में उसका उचित स्थान मिले। भारत की भूमिका बड़ी तथा व्यापक होनी चाहिए। आज के युग में दुनिया परस्पर जुड़ी हुई है और एक दूसरे पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हैं। मजबूत आपूर्ति व्यवस्था बनाने के लिए आपूर्ति शृंखला में और विविधता लाने की जरूरत है। चीन के साथ संबंधों को सामान्य बनाये जाने से संबंधित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सीमा पर शांति तथा मैत्री का माहौल जरूरी है। हमारा मजबूती से मानना है कि सभी की संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए, नियमों का पालन होना चाहिए तथा मतभेद और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि भारत अपनी संप्रभुता और

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर तटस्थ नहीं, बल्कि शांति के पक्ष में रहा भारत : प्रधानमंत्री



सम्मान की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार तथा प्रतिबद्ध हैं उन्होंने कहा कि सभी देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। विवादों का समाधान कूटनीति तथा संवाद से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का कहना है कि हम तटस्थ हैं लेकिन हम तटस्थ नहीं हैं। हम शांति के पक्षपर हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को पूरा भरोसा है कि भारत की प्रार्थमिकता शांति ही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में श्री मोदी ने कहा कि परिषद की मौजूदा सदस्यता का आंकलन होना चाहिए और दुनिया से पूछा जाना चाहिए कि क्या वह चाहती है कि भारत को इसमें जगह मिले। उन्होंने कहा कि भारत टकरावों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए वह सभी प्रयास करेगा जो वह कर सकता है।

आजाद भारत में जन्मा पहला पीएम हूँ

वॉल स्ट्रीट जनरल के साथ इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाला पहला प्रधानमंत्री हूँ। उन्होंने कहा कि मैं स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाला पहला प्रधानमंत्री हूँ और इसलिए मेरी विचार प्रक्रिया मेरे देश की विशेषताओं और परंपराओं से प्रेरित और प्रभावित है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अधिक उच्च, गहरी और व्यापक प्रोफाइल और एक भूमिका का हकदार है।

यूएन का हिस्सा बनना चाहता है भारत

यूएन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत यूएन का हिस्सा बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वर्तमान सदस्यता का मूल्यांकन होना चाहिए और दुनिया से पूछा जाना चाहिए कि क्या वह भारत को वहां रखना चाहती है।

पहले से ज्यादा इंटरकनेक्टेड और इंटरडिपेंडेंट दुनिया

मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका के नेताओं में एक-दूसरे के प्रति अभूतपूर्व विश्वास पैदा हुआ है। उन्होंने कहा, रहम भारत की किसी अन्य देश के पीछे नहीं देखते हैं, हम भारत को दुनिया में उसकी सही जगह देख रहे हैं मोदी ने कहा कि आज की दुनिया पहले से कहीं ज्यादा इंटरकनेक्टेड और इंटरडिपेंडेंट है। उन्होंने कहा कि स्पष्टाई चेन में और विविधता लाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत की तटस्थ भूमिका की आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि भारत इस मामले में शांति का पक्षपर रहा है, युद्ध का नहीं। मोदी ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि हम तटस्थ हैं। लेकिन हम तटस्थ नहीं हैं। हम शांति के पक्ष में हैं। दुनिया को पूरा विश्वास है कि शांति की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। विवादों को कूटनीति और बातचीत

पुरी : जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़े श्रद्धालु



भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी में मंगलवार को लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में रथयात्रा शुरू हुआ। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, देवी सुभद्रा रथों पर आरूढ़ होकर मौसी मां मंदिर गए। रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सुबह मंगला आरती के बाद पहंडी नीति शुरू हुई। इसके बाद धाडी पहंडी नीति शुरू हुई और चारों विग्रहों को तीन रथों पर आरूढ़ कराया गया। सबसे पहले सुदर्शन महाप्रभु सुबह 09 बजे दर्पदलन रथ पर आरूढ़ हुए। इसके बाद 10.18 पर बलभद्र तालध्वज रथ पर, 10.30 पर देवी सुभद्रा भी दर्पदलन रथ पर रथारूढ़ हुई। सबसे अंत में भगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्नेदी से सिंहद्वार पार कर 11.55 पर नंदियोध रथ पर विराजमान हुए। दोपहर 12.05 बजे पहंडी नीति संपन्न हुई। इसके बाद शेष प्रक्रिया का संपादन किया गया। पुरी के शंकराचार्य स्वामी निरुखलानंद सरस्वती ने तीनों रथों की परिक्रमा की। इसके बाद पुरी के गजपति महाराज दिव्य सिंह देव ने छेरा पहंरा की नीति का संपादन शुरू किया। यह प्रक्रिया संपन्न होने के बाद रथों को खींचने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। पहंडी नीति के दौरान श्रद्धालु एवं



कलाकारों के ओडिशी नृत्य, शिव तांडव और हनुमान नृत्य से माहौल आध्यात्मिक हो गया। इससे पहले सुबह से मंगला आरती मंडलम, तटपलागी, रोष, होम, अवकाश एवं सूर्यपूजा की रीति-नीति संपन्न हुई। इसके बाद द्वारपाल पूजा किया गया तथा खिचड़ी का भोग लगाया गया। सुबह 7.35 बजे ब्राह्मणों ने तीनों रथों की प्रतिष्ठा एवं पूजा की। मंगला आरती के बाद पहंडी नीति शुरू हुई। ज्वर से स्वस्थ होने के बाद भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ रत्नेदी से जन्मेदी की ओर 9 दिनों की यात्रा भगवान जगन्नाथ करते हैं।

ममता को झटका

पंजाब में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति अब सीएन होंगे कंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को बनाने के लिए मंगलवार को एक विधेयक पारित किया। पंजाब विधानसभा का दो दिवसीय सत्र यहां सोमवार को शुरू हुआ। पंजाब विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक- 2023 संक्षिप्त बहस के बाद पारित किया गया। सत्ताबद्ध आप के अलावा शिरोमणि अकाली दल और बसपा के इकलौते विधायक ने इस विधेयक का समर्थन किया। कई मुद्दों पर भगवंत मान सरकार और राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के बीच मतभेदों के बीच आया है, जिसमें कुलपति पद के लिए राज्य सरकार की ओर से किये गये कुछ चयन भी शामिल हैं।

नयी दिल्ली। दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) और राज्य सरकार द्वारा कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी जिसमें आगामी पंचायत चुनावों के लिए राज्य के सभी जिलों के लिए केंद्रीय बलों की मांग करने का निर्देश दिया गया था। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के नामांकन के दौरान लगातार हो रहे हिंसा के बाद, केंद्रीय बलों की तैनाती के संबंध में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने जो सोचा हो सकता है कि

बंगाल पंचायत चुनाव

केंद्रीय बलों की तैनाती के आदेश के खिलाफ याचिकाएं शीर्ष अदालत में खारिज

अन्य पड़ोसी राज्यों से बलों की आवश्यकता के बजाय केंद्रीय बलों को तैनात करना बेहतर होगा और खर्च केंद्र द्वारा वहन किया जाएगा। बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग ने पंचायत चुनावों के दौरान सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों को निर्देशित करने वाले कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। यह आदेश बंगाल सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, जिसने हर जिले के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का कड़ा विरोध किया था।

राखी सावंत ने मनाया तलाक का जश्न

मुंबई।
बॉलीवुड की 'ड्रामा क्वीन' एक्ट्रेस राखी सावंत इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ के चलते सुर्खियों में हैं। राखी पिछले काफी समय से अपने अफेयर, शादी और बाद में पति आदिल खान दुर्गामी से तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच राखी सावंत एक बार फिर आदिल के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चाओं में हैं। फिलहाल राखी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राखी सावंत दुल्हन बनकर ढोल पर बैसुध होकर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में राखी अपने तलाक का जश्न



वीडियो में राखी रेड लहंगे में दुल्हन की तरह सजी नजर आ रही हैं। दुल्हन के परिधान में वह ढोल-नगाड़ों की ताल पर जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। वह सबकुछ भूलकर बेहोशी में डांस करती नजर आती हैं। राखी सावंत ने कुछ महीने पहले आदिल दुर्गामी से शादी की थी। इसके बाद दोनों के रिश्ते में दरार की खबरें आने लगीं। इतना ही नहीं राखी ने अपने पति पर धोखा देने का भी आरोप लगाया। इसके बाद आदिल दुर्गामी को सजा हुई थी। वह फिलहाल जेल में सजा काट रहा है। इसी बीच राखी का आदिल से तलाक हो गया है। घंटों ढोल पीटकर उन्होंने इस खुशी का जश्न मनाया।

सेनन ने आदिपुरुष ट्रोल्स को दिया करारा जवाब
फिल्म आदिपुरुष 16 जून को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई। हालांकि फिल्म वर्ल्डवाइड स्तर पर बॉक्स ऑफिस पर तीन सौ करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन इसके कुछ डायलॉग्स और सीन्स पर सवाल उठाते हुए फिल्म आदिपुरुष को सोशल मीडिया पर ट्रोल् किया जा रहा है। इस विवाद पर कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर ट्रोल्स को करारा जवाब दिया। सेनन ने फिल्म आदिपुरुष में जानकी (सीता) का रोल निभाया है। कृति ने 'आदिपुरुष' विवाद पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अभिनेत्री ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक पोस्ट में टोलस को परोख रूप से करारा जवाब दिया है। थिएटर से वीडियो शेयर करते हुए कृति ने कैप्शन दिया कि मेरा ध्यान केवल ताली बजाने और जय श्री राम के नारे लगाने पर है। आदिपुरुष कई कारणों से विवादों में घिरी रही है। हनुमानजी की भूमिका निभा रहे देवदत्त नाग का एक डायलॉग 'जलेगी तैरे ब्राप की' को लेकर भी विवाद उठा है। 'रामायण' पर आधारित फिल्म में इस तरह के टपोरी स्टाइल डायलॉग्स से लोग काफी नाराज हैं।

बेटी के पिता बने अभिनेता रामचरण

हैदराबाद। साउथ के सुपरस्टार रामचरण और उनकी पत्नी उपासना माता-पिता बन गए हैं। उपासना ने 20 जून को प्यारी-सी बच्ची को जन्म दिया है। उपासना को सोमवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राम और उपासना शादी के 11 साल बाद माता-पिता बने हैं। इस खुशखबरी के सामने आने के बाद फैंस राम और उपासना पर शुभकामनाओं की बाँछार कर रहे हैं। उपासना ने हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया। अस्पताल ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर आधिकारिक जानकारी दी कि राम और उपासना एक लड़की के माता-पिता बन गए हैं। बच्चे के जन्म से कुछ घंटे पहले रामचरण ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया था।

बोर्ड परीक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तकों प्रकाशित

बंगाल पंचायत चुनाव

केंद्रीय बलों की तैनाती के आदेश के खिलाफ याचिकाएं शीर्ष अदालत में खारिज

अन्य पड़ोसी राज्यों से बलों की आवश्यकता के बजाय केंद्रीय बलों को तैनात करना बेहतर होगा और खर्च केंद्र द्वारा वहन किया जाएगा। बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग ने पंचायत चुनावों के दौरान सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों को निर्देशित करने वाले कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। यह आदेश बंगाल सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, जिसने हर जिले के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का कड़ा विरोध किया था।

बेटी के पिता बने अभिनेता रामचरण

हैदराबाद। साउथ के सुपरस्टार रामचरण और उनकी पत्नी उपासना माता-पिता बन गए हैं। उपासना ने 20 जून को प्यारी-सी बच्ची को जन्म दिया है। उपासना को सोमवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राम और उपासना शादी के 11 साल बाद माता-पिता बने हैं। इस खुशखबरी के सामने आने के बाद फैंस राम और उपासना पर शुभकामनाओं की बाँछार कर रहे हैं। उपासना ने हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया। अस्पताल ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर आधिकारिक जानकारी दी कि राम और उपासना एक लड़की के माता-पिता बन गए हैं। बच्चे के जन्म से कुछ घंटे पहले रामचरण ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया था।

बिना ऑपरेशन किये 100% गारंटी के साथ

9155997766

बवारीर

हाइड्रोसील, भगवन्दर

माँ क्लिनीक

डॉ० डी० नी० बैरागी

रातु रोड, रामबिलास पेट्रोल पम्प के सामने, रांची

फोन - 9470997766, 9155997766

रोग बुलाइए। हे सुबह 9 बजे से 1 बजे तक और शाम 4 से 7 बजे तक

बीमारी ठीक नहीं होने पे पूरा पैसा वापस

